

सोनारपाल, चपका, मधोता, खैरगुड़ा समेत कई गांवों में खड़ी धान की फसल डूबी, पौधे जड़ से सड़ने लगे; कर्ज और राहत को लेकर किसानों की बड़ी चिंता

बाढ़ ने किसानों की मेहनत पर फेरा पानी, घर के साथ खेत भी तबाह

बकावंड जनता के गोठा। बस्तर विकासखंड के बाढ़ प्रभावित सोनारपाल, चपका, मधोता, खैरगुड़ा, भैंसगांव, बोदरा, टिकनपाल और उसरी सहित कई गांवों में लगातार बारिश और बाढ़ ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। कई जगह घरों में पानी घुसने से मकानों को नुकसान पहुंचा है, वहीं खेतों में खड़ी धान की फसल लंबे समय तक पानी में डूबे रहने के कारण अब सड़ने लगी है। पानी उतरने के बाद कई खेतों में धान के पौधे जड़ से खराब होकर सूखते नजर आ रहे हैं।

किसानों ने बताया कि धान की फसल तैयार करने में खाद, बीज, दवा, मजदूरी और खेती की अन्य लागत पर बड़ी राशि खर्च हुई है। कई किसानों ने खेती के लिए ऋणा भी लिया है। ऐसे में खड़ी फसल खराब होने से उनकी पूरी लागत



डूबने की चिंता है। घर का हुए नुकसान के साथ फसल बर्बादी ने ग्रामीण परिवारों के सामने आर्थिक संकट और बढ़ा दिया है।

बीमा कराया, पर दावा

प्रक्रिया की जानकारी नहीं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के कई किसानों ने प्रधानमंत्री फसल बीमा कराया है, लेकिन नुकसान की सूचना देने और बीमा दावा करने



की प्रक्रिया को लेकर किसानों में स्पष्टता नहीं है। वहीं जिन किसानों ने फसल का बीमा नहीं कराया है, वे यह जानना चाहते हैं कि

प्राकृतिक आपदा से फसल बर्बाद होने की स्थिति में शासन की ओर से उन्हें किस प्रावधान के तहत राहत मिल सकती है।

किसानों की मांग है कि प्रशासन प्रभावित गांवों में मकान और फसल क्षति का मौके पर सर्वे कराकर वास्तविक नुकसान दर्ज करे। साथ ही बीमित किसानों को दावा प्रक्रिया की जानकारी दी जाए और बिना बीमा वाले पात्र किसानों को उपलब्ध सरकारी राहत प्रावधानों की जानकारी दी जाए।

किसानों का कहना है कि खेतों में खड़ी फसल लगातार खराब हो रही है, इसलिए नुकसान का सर्वे जल्द शुरू होना जरूरी है। समय पर सर्वे, बीमा प्रक्रिया और राहत कार्रवाई शुरू नहीं हुई तो बाढ़ की मार से पहले ही परेशान किसान आर्थिक संकट में और गहरे फंस सकते हैं।

छात्र राजनीति से प्रशासनिक बैठकों तक पहुंचा अभय तिवारी का कद

जाहद सूरजपुर/जरही। छात्र राजनीति से सार्वजनिक जीवन में सक्रिय हुए भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष अभय कुमार तिवारी को प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र की विधायक शकुंतला सिंह पोते ने सूरजपुर जिले के लिए अपना जिला विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया है। विधायक ने इस संबंध में सूरजपुर कलेक्टर को पत्र जारी कर जिले के सभी संबंधित विभागों को आवश्यक सूचना देने का आग्रह किया है। विधायक द्वारा जारी पत्र क्रमांक 1186, दिनांक 25 सितंबर 2026 के अनुसार, अभय तिवारी विधायक की अनुपस्थिति में जिले में आयोजित विभागीय समीक्षा बैठकों सहित अन्य महत्वपूर्ण शासकीय बैठकों में विधायक के अधिकृत प्रतिनिधि के रूप में शामिल होंगे। नई जिम्मेदारी मिलने



के बाद संगठन से जुड़े कार्यक्रमों और समर्थकों में उत्साह देखा जा रहा है।

2009 में शुरू हुआ सांगठनिक सफर। नगर पंचायत जरही के वार्ड क्रमांक-1 निवासी प्रेमकांत तिवारी के पुत्र अभय कुमार तिवारी ने वर्ष 2009 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के माध्यम से छात्र राजनीति में कदम रखा। करीब 17 वर्षों के सांगठनिक सफर के दौरान उन्होंने नगर अध्यक्ष, नगर मंत्री, प्रदेश

कार्यकारिणी सदस्य, जिला संयोजक और विभाग संयोजक सहित विभिन्न जिम्मेदारियां संभालीं। युवा मोर्चा में भी सभाली कई जिम्मेदारियां वर्ष 2020 में भारतीय जनता युवा मोर्चा से जुड़ने के बाद अभय तिवारी ने वर्ष 2020 से 2025 तक जिला मंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभाली। वर्ष 2025 से वे भाजपा जिला अध्यक्ष देव गुप्ता की कोर टीम में जिला उपाध्यक्ष के दायित्व पर कार्यरत हैं। इसके अलावा वर्ष 2018 से प्रतापपुर मंडल में युवा मोर्चा के मंडल प्रभारी के रूप में भी संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं।

संगठनात्मक अनुभव के साथ नई भूमिका- विधानसभा चुनाव 2023 के दौरान भी अभय तिवारी की संगठनात्मक सक्रियता का उल्लेख किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का माँ दंतेश्वरी एयरपोर्ट जगदलपुर में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने की अगुवानी



बकावंड जनता के गोठा। 28 सितंबर 2026/प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सोमवार को बस्तर प्रवास पर आगमन के दौरान माँ दंतेश्वरी एयरपोर्ट जगदलपुर में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने अगुवानी की। मुख्यमंत्री के साथ

उनके प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह एवं सचिव श्री राहुल भगत भी पहुंचे। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री बलदेव मंडवी, नगर निगम के सभापति श्री खेमसिंह देवांगन, बस्तर राज परिवार के सदस्य श्री कमलचंद्र

भंडावेल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और कमिश्नर बस्तर श्री डोमन सिंह, आईजी श्री बीएन मीणा, कलेक्टर श्री आकाश छिकारा, पुलिस अधीक्षक श्री शलभ सिन्हा एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पित्र पक्ष पर विशेष खबर

उतई नगर पुरोहित महाराज उमाशंकर अवस्थी के कलम से



उतई - ऐसा रिश्ता, जो मरकर भी नहीं मरता। हो भी क्यों न! जिस देश में बच्चे को पहला पाठ 'मातृदेवो भव' और 'पितृदेवो भव' का पढ़ाया जाता है। माता को धरती और पिता को आकाश से भी ऊंचा कहा जाता है। ऐसे आत्मीय रिश्ते को भला मृत्यु भी कैसे तोड़ सकती है। इसीलिए वे पितर पितृलोक में निवास करते हुए सदा अपनी संतानों की मंगल कामना करते हैं। हम तो कृतज्ञता ज्ञापन के लिए नित्य सूर्य और चंद्र को भी अर्पण करते हैं, जो हमें ऊष्मा, प्रकाश और शीतलता प्रदान करते हैं। फिर हम उन पितरों को कैसे भूल सकते हैं, जिन्होंने हमें अमृत्यु जीवन दिया। शायद उसका ऋण हम की नहीं चुका सकते। अतः पितरों के प्रति श्रद्धा से कृतज्ञता ज्ञापन का पर्व है पितृपक्ष।

भावना दीदी की साइंस पाठशाला विद्यार्थियों के सपनों को दे रही ऊँची उड़ान, विधायक भावना बोहरा ने छात्र-छात्राओं का किया उत्साहवर्धन

कवधा: पंडरिया स्थित पीएम श्री स्वामी आत्मानंद स्कूल, में 'भावना दीदी की साइंस पाठशाला' की कार्यशाला का विधायक भावना बोहरा ने अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद कर विज्ञान से जुड़े उनके सवाल, जिज्ञासाओं एवं रुचियों को जाना तथा उनके भविष्य के सपनों और विचारों पर चर्चा की। विधायक ने बच्चों की उत्सुकता और सीखने की ललक का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें निरंतर कुछ नया सीखने और अपने सपनों को बड़ा रखने के लिए प्रेरित किया। विधायक भावना बोहरा द्वारा संचालित 'भावना दीदी की साइंस पाठशाला' के माध्यम से पंडरिया विधानसभा के सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत बच्चों को आधुनिक विज्ञान एवं तकनीक से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यशालाओं में विद्यार्थियों को ड्रोन, रोबोटिक्स, 3डी प्रिंटिंग सहित



विभिन्न आधुनिक तकनीकों एवं नवाचारों से परिचित कराया जा रहा है, ताकि ग्रामीण एवं सरकारी स्कूलों के बच्चों को भी बदलती तकनीकी दुनिया को करीब से समझने और सीखने का अवसर मिल सके। बस में संचालित इस सुविधा के माध्यम से पंडरिया विधानसभा के प्रत्येक शासकीय एवं सरस्वती शिशु मंदिर के छात्र-छात्राओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), रोबोटिक्स, ड्रोन और एयरोस्पेस टेक्नोलॉजी, विज्ञान और गणित का प्रैक्टिकल अनुभव

(STEM), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT), ऑगमेंटेड एवं वर्चुअल रियलिटी (AR/VR) जैसी आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करेगी। जिसका मूल उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी शिक्षा के बीच तकनीकी अंतर को समाप्त करना तथा सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को भविष्य की प्रतिस्पर्धा के लिए सक्षम बनाना है। इसके साथ ही प्रतिवर्ष 5000 विद्यार्थियों तक सीधे इसका लाभ पहुंचाना है। इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि पंडरिया

विधानसभा के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों में प्रतिभा और सपनों की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता केवल उन्हीं सही मार्गदर्शन, आधुनिक शिक्षा और पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराने की है। हर बच्चे के भीतर कुछ नया करने की क्षमता होती है। किसी बच्चे का सपना इसलिए छोटा नहीं होना चाहिए क्योंकि वह सरकारी स्कूल में पढ़ता है या उसके पास आधुनिक संसाधनों की कमी है। 'भावना दीदी की साइंस पाठशाला' के माध्यम से हमारा प्रयास है कि पंडरिया के बच्चों को विज्ञान, तकनीक और नवाचार की आधुनिक दुनिया से जोड़ें, उनकी जिज्ञासाओं को प्रोत्साहित करें और उन्हें अपने सपनों को पूरा करने के लिए आवश्यक अवसर प्रदान करें। आज के यही विद्यार्थी आने वाले भारत की नई शक्ति हैं। ड्रोन, रोबोटिक्स, 3डी प्रिंटिंग और अन्य आधुनिक तकनीकों के माध्यम से बच्चों को

केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि प्रयोग, अनुभव और नवाचार की दिशा में आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। पंडरिया विधानसभा के हमारे बच्चों की प्रतिभा को सही दिशा देकर उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना इस पहल का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प है कि पंडरिया का हर बच्चा अपने सपनों को उड़ान दे, अपनी प्रतिभा को पहचान सके और आधुनिक शिक्षा के माध्यम से अपने भविष्य की मजबूत नींव रख सके। बच्चों की आंखों में दिखाई देने वाले सपनों को अवसरों की उड़ान देना ही इस पहल का वास्तविक उद्देश्य है। इसी उद्देश्य से हम बेटियों की शिक्षा में कोई बाधा न आए उसके लिए प्रयास किया। आज 10 निःशुल्क बस सेवा के माध्यम से पंडरिया विधानसभा की बेटियां सुरक्षित एवं सुगम आवागमन मिलने से महाविद्यालय में निश्चित होकर पढ़ने का राहें हैं।

कटघोरा वनमंडल में हाथियों मौजूदगी: गांव-खेतों तक पहुंच रहे झुंड, ग्रामीणों की बड़ी चिंता

कोरबा। कोरबा जिले के कटघोरा वनमंडल में हाथियों की सक्रियता लगातार बनी हुई है। वनमंडल की अलग-अलग रेंज में 50 से अधिक हाथियों की मौजूदगी बताई जा रही है। हाथियों के झुंड जंगल से निकलकर गांव और खेतों के आसपास पहुंच रहे हैं, जिससे ग्रामीणों में चिंता बढ़ गई है। हाथियों द्वारा धान की फसल को नुकसान पहुंचाने की भी जानकारी सामने आई है। पसान रेंज में करीब 30 हाथियों का झुंड विचरण कर रहा है। झुंड लगातार खेतों तक पहुंच रहा है और धान की फसल को नुकसान पहुंचा रहा है।

इसी झुंड से अलग हुआ एक दंतेल हाथी आबादी वाले इलाकों के आसपास पहुंच रहा है। ग्रामीणों के

अनुसार, झुंड से अलग होने के बाद दंतेल हाथी गांवों और आबादी वाले क्षेत्रों की ओर पहुंच रहा है। इससे ग्रामीणों को दिन और रात दोनों समय सतर्क रहना पड़ रहा है। पसान रेंज के मोहनपुर और पोड़ीकला के बीच जंगल में थुथानाला के पास दंतेल हाथी ने रात में परदेशी के कच्चे मकान को क्षतिग्रस्त कर दिया। हाथी की आहत मिलते ही परदेशी अपने परिवार के साथ घर के एक कमरे में सुरक्षित हो गया। इसके बाद हाथी ने मकान के कई हिस्सों को तोड़ दिया। घटना के बाद परिवार में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि हाथियों की लगातार आवाजाही के कारण उन्हें अपने घर और खेतों की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है। हाथियों का झुंड केई क्षेत्र से आगे

बढ़ते हुए पसान रेंज के बनिया क्षेत्र तक पहुंच गया है। वहीं जटणा रेंज में भी हाथियों का एक झुंड विचरण कर रहा है। वन विभाग प्रभावित गांवों में मुनादी करारक ग्रामीणों को सतर्क कर रहा है। लोगों से हाथियों के नजदीक नहीं जाने और अकेले जंगल या खेतों की ओर नहीं जाने की अपील की जा रही है। वन विभाग की टीमों हाथियों की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं। कोरबा वनमंडल के करतला रेंज में भी नौ हाथियों का झुंड बेहरचुआं पहुंच गया है। इससे पहले इन हाथियों की मौजूदगी लंबेद क्षेत्र के आसपास दर्ज की गई थी। वहीं कुदमुरा रेंज में विचरण कर रहा एक दंतेल हाथी वापस धरमजगढ़ वनमंडल की सीमा में लौट गया है।

सर्किट हाउस में अनुसूचित जाति आयोग अध्यक्ष से मिले पदाधिकारी

फर्नी जाति प्रमाण पत्र की जांच, आरक्षण में वृद्धि और राजनीतिक प्रतिनिधित्व की मांग। बकावंड जनता के गोठा। बस्तर संभाग के सर्व अनुसूचित जाति वर्ग के पदाधिकारियों ने जगदलपुर सर्किट हाउस में छत्तीसगढ़ अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक पुनीत चौहान से मुलाकात कर समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों और समस्याओं से अवगत कराया। पदाधिकारियों ने समस्याओं के शीघ्र निराकरण की मांग आयोग अध्यक्ष के समक्ष रखी। बैठक में फर्नी जाति प्रमाण पत्र बनाकर अनुसूचित जाति वर्ग का लाभ लेने वाले लोगों की जांच कराने की मांग की गई। पदाधिकारियों ने कहा कि जांच में दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध निलंबन सहित नियमानुसार कड़ी कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। पदाधिकारियों ने महारा जाति को अनुसूचित जाति वर्ग के आरक्षण रॉस्टर में शामिल किए जाने के बाद बस्तर संभाग में



अनुसूचित जाति वर्ग की जनसंख्या में हुए बदलाव को ध्यान में रखते हुए स्थानीय स्तर पर आरक्षण प्रतिशत की समीक्षा तथा आवश्यक वृद्धि की मांग रखी। इसके अलावा जातिगत भेदभाव, छुआछूत और दुर्व्यवहार के मामलों में प्रभावी कार्रवाई की मांग की गई। पदाधिकारियों ने कहा कि ऐसे मामलों में दोषी पाए जाने वाले अधिकारी-कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। बैठक में अनुसूचित जाति वर्ग के राजनीतिक प्रतिनिधित्व का मुद्दा भी उठाया

गया। पदाधिकारियों ने जनसंख्या के आधार पर विधानसभा तथा स्थानीय निकायों में उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की मांग की। नगर पंचायत, नगर पालिका, नगर निगम, जगदल पंचायत और जिला पंचायत सहित विभिन्न निर्वाचित संस्थाओं में जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व देने की मांग रखी गई। पदाधिकारियों ने बस्तर संभाग में अनुसूचित जाति वर्ग की आबादी को ध्यान में रखते हुए समाज के लोगों को उचित सीटों पर चुनाव लड़ने का अवसर देने की मांग भी की। वहीं, अनुसूचित जाति वर्ग के

लोगों के साथ होने वाले अत्याचार के मामलों में प्रभावी कार्रवाई नहीं होने का मुद्दा उठाते हुए संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करने तथा पीड़ितों को कानूनी सहायता और न्याय दिलाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाने की मांग की गई। पदाधिकारियों ने आयोग अध्यक्ष पुनीत चौहान से बस्तर संभाग की समस्याओं और मांगों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित स्तर पर आवश्यक पहल कर शीघ्र निराकरण कराने का आग्रह किया। बैठक में कोंडागांव जिलाध्यक्ष धंस राज टंडन, सर्व अनुसूचित जाति वर्ग बस्तर अध्यक्ष विक्रम लहरे, सतनामी समाज बस्तर जिलाध्यक्ष संतु बांधे, जिला उपाध्यक्ष लाला लहरे, सर्व अनुसूचित जाति वर्ग जिला महामंत्री सुभाष मेथ्राम, बौद्ध समाज के मनीष गडपाले, हेमराज जांगड़े, प्रदीप भारती, दुर्गेश डहिया, पीला नाग, हरीश नाथ, देवानंद खुटे, एमडी बघेल संरक्षक, प्रेम सिंह नाग सहित अन्य पदाधिकारी एवं समाजजन मौजूद रहे।



सड़क किनारे रहने को मजबूर ग्रामीण, पेयजल और बिजली की समस्या से भी जुड़ा रहे प्रभावित परिवार

भुजबल बघेल बकावंड जनता के गोठा। विकासखंड के ग्राम पंचायत मालगांव के डोंगरगुड़ा पारा में बाढ़ प्रभावित परिवारों से जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सोनबारी भद्रे एवं उपाध्यक्ष तरुण पांडे ने मुलाकात कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने प्रभावित परिवारों से चर्चा कर बाढ़ से हुए नुकसान का



जायजा लिया तथा भोजन, सुरक्षित आश्रय और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए मदद दिलाने का आश्वासन दिया। जनपद पंचायत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष ने कहा कि बाढ़ के कारण जिन परिवारों के मकान पूरी तरह ढह गए हैं या क्षतिग्रस्त हुए हैं, उनके नुकसान का नियमानुसार आकलन कराया जाएगा। क्षति के आधार पर शासन से उचित मुआवजा दिलाने के लिए आवश्यक पहल की जाएगी। वहीं, जिन परिवारों के मकान रहने योग्य नहीं रह गए हैं, उन्हें शासन की आवास योजना के तहत नया पक्का मकान दिलाने का

प्रयास किया जाएगा। सड़क किनारे रहने को मजबूर प्रभावित परिवारों ने बताया कि घरों में पानी भर जाने के बाद उन्हें अपने आश्रयाने छोड़कर सड़क किनारे रहने को मजबूर होना पड़ा है। कई परिवार घर में रखा जरूरी सामान भी बाहर नहीं निकाल पाए, जिससे घरेलू सामग्री को नुकसान हुआ है। बाढ़ का पानी उतरने के बाद भी प्रभावित परिवारों के सामने सुरक्षित आश्रय, भोजन, अनाज, कपड़े और पेयजल की समस्या बनी हुई है। ग्रामीणों के अनुसार गांव में

विचार-पक्ष

संपादकीय

तकनीक के मोर्चे पर भारत

इस्वीसवीं सदी के वैश्वीकृत और प्रौद्योगिकी-संचालित संसार में जिस वस्तु को आधुनिक सभ्यता का अग्रदूत हृदय कहा जा सकता है, वह अति-सूक्ष्म सेमीकंडक्टर है ही। जिस प्रकार बीसवीं सदी के वैश्विक और राष्ट्रीयतातिक एवं आर्थिक समीकरणों को कच्चे तेल की उपलब्धता और नियंत्रण ने आकार दिया था, ठीक उसी प्रकार आज की डिजिटल और कुम्भित बुद्धिमत्ता चालित दुनिया में सेमीकंडक्टर चिप वैश्विक शक्ति का और केंद्र बने चुके हैं। समानांतर, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से लेकर आटोमोबाइल, रेल प्रणालियों, एयरोस्पेस, चिकित्सा उपकरणों, संचार और उन्नत सुपरकंप्यूटिंग तक, आधुनिक जीवन का शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र न हो, जो इन सूक्ष्म सिलिकॉन चिप पर निर्भर न हो। ऐसे निर्णायक दौर में भारत ने श्वेतलाकृ उपभोक्ता राष्ट्र बने रहने के बजाय स्वयं को सेमीकंडक्टर निर्माण के वैश्विक मानचित्र पर स्थापित करने का जो संकल्प लिया है, उसे 'सेमीकॉन इंडिया' पहल के नाम से जाना जाता है। भारत सरकार ने देश को सेमीकंडक्टर निर्माण का एक मजबूत वैश्विक केंद्र बनाने के लिए प्राथमिक वित्तीय परिवर्त्य के साथ 'राष्ट्रीय सेमीकंडक्टर मिशन' और सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम की आकारशिला रखी है। वैश्विक सेमीकंडक्टर सम्मेलन 'सेमीकॉन इंडिया 2026' के मंच से प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन ने भारत के इस परिवर्तनकारी संकल्प को वैश्विक विश्वसनीयता प्रदान की। सेमीकंडक्टर विनिर्माण प्रक्रिया को मुख्य रूप से तीन चरणों में विभाजित किया जाता है- डिजाइन, फैब्रिकेशन और संयोजन एवं पैकेजिंग। भारत की रणनीतिक योजना इन तीनों चरणों को समानांतर रूप से मजबूत करने की है। भारत के पास पहले से ही चिप डिजाइनिंग की क्षमता मौजूद है। दुनिया की लगभग सभी प्रमुख चिप डिजाइन कंपनियों के बड़े अनुसंधान और विकास केंद्र भारत में स्थित हैं। 'सेमीकॉन इंडिया' के अंतर्गत शुरू की गई 'डिजाइन-संबद्ध प्रोत्साहन' योजना का उद्देश्य धरेलु स्तर पर भारतीय स्टार्टअप और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को अपनी बौद्धिक संपदा विकास करने और स्वदेशी चिप डिजाइन करने के लिए वित्तीय और तकनीकी संसाधन प्रदान करना है। जब भारतीय इंजीनियरों द्वारा भारत में ही चिप डिजाइन किए जाएंगे और उनका निर्माण भी धरेलु संयंत्रों में होगा, तब वास्तविक रूप में तकनीकी स्वावलंबन का सपना साकार होगा। फैब्रिकेशन और संयोजन के स्तर पर भारत ने जिस त्वरित गति से कदम बढ़ाए हैं, वह आधुनिक औद्योगिक इतिहास में अभूतपूर्व है। असेंबली, टेस्टिंग और पैकेजिंग इकाइयों सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला का बड़े महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इन इकाइयों की थापना से भारत को त्वरित परफॉरमेंस मिल रहा है, जिससे देश में बुनियादी औद्योगिक ढांचा तैयार हो रहा है और साथ ही हजारों उच्च-कुशल रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं। इसके समानांतर, उच्च-स्तरीय सिलिकॉन वेफर फैब्रिकेशन संयंत्रों की थापना से भारत उस विशिष्ट श्रेणी वाले देशों के समूह में शामिल होने जा रहा है, जिनके पास उन्नत नैनोमीटर स्तर की चिप बनाने की क्षमता है।

आज का राशिफल

मेघ राशि :- व्यवसाय की उन्नति से अर्थिक स्थिति में विशेष सुधार अवश्य होगा।

वृष राशि :- नौकरी में व्यावधान हो सकता है, व्यावसाय ठीक नहीं रहेगा, ध्यान रखें।

मिथुन राशि :- सप्ताह उत्तम फलकारक हो, अधिकारियों का पूर्ण समर्थन-सहयोग मिले।

कर्क राशि :- स्वभाव में अचानक परिवर्तन हो सकता है, व्यवसाय में अच्छी गति होगी।

सिंह राशि :- आप आनंद का अनुभव करेंगे, केतु गृह पीडाकारक है, आपसी मतभेद से बचें।

कन्या राशि :- कार्यों में सफलता मिले, मान-सम्मान की प्राप्ति होगी, शत्रु कमजोर होंगे।

तुला राशि :- पारिवारिक उत्तरदायित्व की वृद्धि होगी, आमोद-प्रमोद में विशेष ध्यान देंगे।

वृश्चिक राशि :- मनोरंजन से अति हर्ष होगा, व्यवसाय में लाभ होगा, रुके कार्य बंन जायेंगे।

धनु राशि :- मानसिक तनाव अकस्मिक बढ़ेगा, स्वजनों से सहानुभूति अवश्य होगी।

मकर राशि :- विलास सामग्री का संचय होगा, अधीकारी वर्ग की कृपा का लाभ मिले।

कुम्भ राशि :- इष्ट मित्रों से अच्छा सहयोग मिले, उन्नति एवं लाभ के योग बनेंगे।

मीन राशि :- गृह-कलह, हीन मनोवृत्ति, शरीर पीडा से परेशानी अवश्य ही होगी।

बिहार की बदलती बाढ़ राहत नीति

- प्रदीप विद्रोही

बिहार में बाढ़ केवल पानी के फैलने को कहानी नहीं है। यह पछोछे, सामान बचाने, पशुओं को सुरक्षित रखने, बच्चों को पढ़ाई मजदूरी, बीमारी के खतरे और कई दिनों तक अस्थायी ठिकाने पर रहने की मजबूरी की कहानी भी है। इसलिए बाढ़ राहत को केवल इस आधार पर नहीं देखा जा सकता कि कितने परिवारों के खाते में कितनी रकम पहुंची या कितनी थालियां परोसी गईं असली सवाल यह है कि बाढ़ के दौरान और पानी उतरने तक परिवारों की पूरी सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होती है। इसी संदर्भ में पिछले कुछ वर्षों के आंकड़े बिहार की राहत व्यवस्था के एक उल्लेखनीय बदलाव की ओर संकेत करते हैं। 2017 की भीषण बाढ़ के दौरान बड़ी संख्या में राहत शिविरों के साथ सामुदायिक रसोइयों की संचालित थीं। 2025 और 2026 में राहत शिविरों की संख्या अपेक्षाकृत कम रही, जबकि सामुदायिक रसोई और सीधे बैंक खातों में राहत राशि पहुंचाने की व्यवस्था का विस्तार हुआ। 2026 में 15 सितंबर तक लगभग 49.72 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित बताए गए और 8.27 लाख परिवारों के खातों में सात-सात हजार रुपये की अनुग्रह राहत भेजने की प्रक्रिया शुरू की गई। यहीं से स्पष्ट हो रहा है कि बिहार की बाढ़ राहत नीति धीरे-धीरे 'कैप से कैश' की ओर बढ़ रही है। 2017 की बाढ़ बिहार की सबसे गंभीर बाढ़ आपदाओं में थी। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान की रिपोर्ट के अनुसार उस वर्ष 4.21 लाख से अधिक लोग राहत शिविरों में रहे थे। उसी साल अलग-अलग समय पर राहत शिविरों की संख्या 1,238 से लेकर 1,358 तक दर्ज हुई और सामुदायिक रसोइयों की संख्या भी लगातार बढ़ती रही। आमतौर पर एक चरण में 1,358 राहत शिविरों में 4.21 लाख लोग रहे रहे थे और 2,569 सामुदायिक रसोइयों में लगभग 4.92 लाख लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा था। बाढ़ के चरण में, जब पानी उतरने लगा, राहत शिविरों की संख्या तेजी से घटकर 357 रह गई थी, जबकि 164 सामुदायिक रसोइयों में उस समय भी हजारों लोगों को भोजन दिया जा रहा था। उसी दौरान करीब 4.92 लाख बाढ़ प्रभावित परिवारों के बैंक खातों में 6,000 रुपये की राहत राशि पहुंचाने की जानकारी भी सामने आई थी। इससे एक महत्वपूर्ण तथ्य सामने आता है कि नकद सहायता या सामुदायिक रसोई बिहार की राहत व्यवस्था में बिल्कुल ही चीज नहीं हैं। बदलाव यह है कि समय के साथ राहत व्यवस्था में इनकी भूमिका बढ़ती गई है। 2025 में राज्य सरकार ने अनुसूचित लगभग 38 लाख आबादी बाढ़ से प्रभावित हुई और 6,51,602 परिवारों को सात-सात हजार रुपये की दर से डीबीटी के माध्यम से 49.72 करोड़ रुपये दिए गए। दूसरी ओर, 2025 के आंकड़ों पर आधारित रिपोर्ट के अनुसार 23 जिलों में लगभग 48 लाख लोग प्रभावित हुए, जबकि 18 राहत केंद्र और 1,169 सामुदायिक रसोई संचालित हुई थीं।

- पंकज श्रीवास्तव

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर चल रहे विवादों और चर्चाओं के बीच एक नया तर्क गढ़ा जा रहा है कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस और उनका गठबंधन यह घोषणा करने कि ज्ञानेश कुमार के रहते वे चुनाव नहीं लड़ेंगे, यानी चुनाव का बहिष्कार करेगी। यह तर्क तो लोकतांत्रिक है, न ऐतिहासिक कसौटी पर खरा उतरता है। सत्ता पक्ष से असहयोग कोई नई बात नहीं, पर बहिष्कार का हथियार हमेशा उल्टा पड़ा है।

1971 में इंदिरा गांधी बांग्लादेश के अभ्युदय के लिए निर्णायक युद्ध चाहती थीं, लेकिन वहाँ राष्ट्रीय सहमति को लेकर अश्वस्त नहीं थीं। खासकर अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाले जनसंघ के रुख को लेकर। उन्होंने अपनी चिंता जयप्रकाश नारायण से साझा की। जेपी ने अटल जी को पटना बुलाया और पूछ - यदि युद्ध हुआ तो जनसंघ का रुख क्या होगा ?

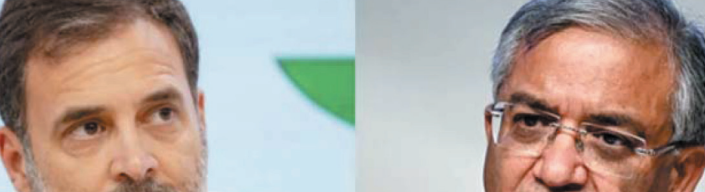
तब अटल जी ने महाभारत का प्रसंग सुनाया। युधिष्ठिर को सूचना मिली कि कौरवों का कोई भाई तीसरे पक्ष से हार रहा है। युधिष्ठिर ने भीम से कहा - जाकर कौरव भाई की मदद करो। भीम भड़क गया। तब युधिष्ठिर ने कहा - आपस में हम 5 पांडव और 100 कौरव दो पक्ष हैं, पर तीसरे शत्रु के सामने हम 105 हैं।

प्रसंग सुनाकर अटल जी ने कहा - इंदिरा जी से हमारे आंतरिक और वैचारिक मतभेद हैं, पर इसका अर्थ यह नहीं कि युद्ध की घड़ी में हम सरकार का विरोध करेंगे। युद्ध हुआ तो जनसंघ सरकार के

- राकेश अचल

भारतीय राजनीति में पिछले आठ दशक से मौजूदगी के बावजूद किसी भी राजनीतिक दल ने अब तक ग्वालियर के सिंधिया परिवार को मप्र का मुख्यमंत्री नहीं बनाया या वे खुद नहीं बने ? ये सवाल 52 साल पहले पैदा हुआ था और आज 54 राजनीतिक हलकों में जिंदा है. भारत की आज़दी के फौरन बाद से सिंधिया परिवार ने राजनीति में अपनी सक्रियता बढ़ा दी थी. मजे की बात ये कि अंतिम राजप्रमुख रहे जीवाजी राव सिंधिया ने खुद राजनीति में आने के बजाय अपनी पत्नी राजमाता विजयाराजे सिंधिया को चुनावी राजनीति में उतारा था. ऐसा क्यों हुआ, इसकी अलग कहानी है. राममाता विजयाराजे सिंधिया 1957 में कांग्रेस से जुड़ीं और 1967 में अलग हो गईं. थीं. राजमाता ने तत्कालीन मुख्यमंत्री डीपी मिश्रा को बहुमत वाली सरकार को गिराने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका अदा की लेकिन मुख्यमंत्री नहीं बनीं या नहीं बनाई गईं. उनके समर्थन से गोविंद नारायण सिंह मप्र के मुख्यमंत्री बने. ऐसी धारणा है कि राजमाता ने मुख्यमंत्री बनने के बजाय किंगमेकर बनना पसंद किया. हालांकि कह जता है कि राजमाता के पास इनने विचार्यक नहीं थे कि वे खुद मुख्यमंत्री बन जातीं . उनका अंतिम मकसद राजमाता लेना था. मिश्रा जी ने एक बार राजमाता को मिलने के लिए लंबा इंतजार कराया था.

बहरहाल राजमाता के बाद उनका बेटा माधवराव सिंधिया राजनीति में आया, लेकिन माधवराव ने भी कभी मप्र के मुख्यमंत्री बनने में दिलचस्पी नहीं दिखाई. उनका सप्ता प्रधानमंत्री बनने का शायद रहा हो किंतु वह कभी भी पूरा नहीं हो पाया. माधवराव सिंधिया को मप्र का मुख्यमंत्री बनने का एक मौका तब मिला था जब तत्कालीन मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह



साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। 3 दिसंबर 1971 को युद्ध शुरू हुआ और 6 दिसंबर को लोकसभा में अटल जी ने इंदिरा जी को दुर्गावतार कहा। यही लोकतंत्र की मर्यादा है कि असहमति देश से बड़ी नहीं है।

बिहार आंदोलन में 12 अप्रैल 1974 को गया गोलीकांड के बाद जेपी ने मुख्यमंत्री अब्दुल गफ्फार के इस्तीफे और विधानसभा भंग करने की मांग तेज की। विपक्षी विधायकों ने इस्तीफे दिए, 5 जून 1974 को एक करोड़ हस्ताक्षर राज्यपाल आर.डी. भंडारे को सौंपे गए और उसी दिन पटना के गांधी मैदान से संपूर्ण क्रांति आ आह्वान हुआ 1977 की वोट क्रांति से पहले 17 जनवरी 1977 तक

किसी को चुनाव की उम्मीद नहीं थी। सत्ता पक्ष कह रहा था - आपातकाल अनुशासन पर्व है। विपक्ष हताशा था, अनेक लोग जेल में थे। पर जेपी कहते थे - हर तानाशाह चाहता है कि इतिहास उससे लोकतन्त्रवादी लिखे, इसलिए इंदिरा जी 1980 से पहले चुनाव जरूर कराएंगी। 18 जनवरी 1977 को इंदिरा जी ने चुनाव की घोषणा की। जेल से छूटते ही अटल जी पटना में जेपी से मिले और विनती की - इतने कम समय में चुनाव लड़ना असंभव है, आप बहिष्कार की अपील करें।

जेपी लोकनायक थे। उन्होंने कहा - किसी नेता को शत-प्रतिशत जनसमर्थन का भ्रम नहीं पालना चाहिए। कांग्रेस स्वतंत्रता आंदोलन की पार्टी है।

मुख्यमंत्री क्यों नहीं बनाए जाते सिंधिया?

- राकेश अचल



को पद सम्हालने के दूसरे ही दिन हटाकर पंजाब का राज्यपाल बना दिया गया था। उस समय 72 घंटे की लंबी कवचाघट के बाद जब सिंधिया अपने बालसखा बालेंदु शुक्ला को मुख्यमंत्री नहीं बनवा सके तो उन्होने मोतीलाल वोरा को मुख्यमंत्री बनवाकर अपनी माँ राममाता विजयाराजे सिंधिया की तरह किंग मेकर बना ही पसंद किया। सिंधिया परिवार की तीसरी पीढ़ी के सदस्य ज्योतिरादित्य सिंधिया भी तमाम लोकप्रियता के बावजूद खुद को मुख्यमंत्री पद की होड से अलग रखे रहे, ज्योतरादित्य भी अपनी दादी और पिता की तरह किंगमेकर बनकर रह गए, उन्होंने कांग्रेस की कमलनाथ सरकार का तख्ता पलटकर शिवराज सिंह चौहान को 2020 में मुख्यमंत्री बनवा दिया था, बहुत से लोगों का आज भी मानना है कि सिंधिया 2018 में कांग्रेस सरकार को मुख्यमंत्री बना चाहते थे, लेकिन ये हकीकत नहीं है। उनके पास ले-देकर कुल दो दर्जन विधायक थे, ऐसे में उनके मुख्यमंत्री बनने का सवाल ही नहीं था। ऊपर से चुनाव में सारा खर्च कमलनाथ ने किया था, तो कांग्रेस उन्हें मुख्यमंत्री बनाने के बारे में सोचती भी क्यों? वर्ष 2023 में भी सिंधिया मुख्यमंत्री बनने का दावा करने की योग्यता नहीं रखते थे इसीलिए भाजपा ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाया नहीं, शिवराज सिंह चौहान को बनाया, आज भी सिंधिया मुख्यमंत्री न बनने से दुखी नहीं हैं। उनके दुख का कारण अपेक्षित हासिल न मिलना है, मैं दावे के साथ कह सकता हूँ कि भविष्य में भी सिंधिया परिवार से किसी के भी मप्र का मुख्यमंत्री बनने की कोई संभावना नहीं है, खास बात ये है कि सिंधिया परिवार की महिला सदस्य श्रीमती बसुंधरा राजे मप्र छोड़ने के बाद दो बार राजस्थान को मुख्यमंत्री बनीं, ये केन्द्र में भी मंत्री रही और आज भी मुख्यमंत्री पद की अभिलाषा रखती हैं हालांकि पार्टी ने उन्हे उपाध्याय बनकर चुप करा दिया है, मप्र में रह गई बसुंधरा राजे की छोटी बहन यशोधरा ने मप्र का मुख्यमंत्री बनने का सपना शायद दावा हो किन्तु वो साकार कभी नहीं हुआ, अब तो यशोधरा राजनीति से भी रुखस्त हो चुकी हैं। सिंधिया परिवार के किसी सदस्य को मप्र का मुख्यमंत्री न बनाने के और भी कारण हो सकते हैं, यदि कांग्रेस या भाजपा इस परिवार को मुख्यमंत्री बनाने का परमादेश देती तो शायद बात और होती, लेकिन दोनों ही राजनीतिक दलों ने ये पलटती नहीं की, हास्यास्पद बात ये है कि सिंधिया से इतर पटियाला वाले कैप्टन अमरेंद्र सिंह 84 वर्ष को मप्र में भी पंजाब के मुख्यमंत्री बनने का सपना पाले बैठे हैं, हालांकि भाजपा ने न्हे ठेगा दिखा दिया।

वो जान का बनाया. आज भी सिंधिया मुख्यमंत्री न बनने से दुखी नहीं हैं. उनके दुख का कारण अफैत हाक न मिलना है. मैं दावे के साथ कह सकता हूँ कि भविष्य में भी सिंधिया परिवार से किसी के भी मम का मुख्यमंत्री बनने की कोई संभावना नहीं है. खास बात ये है कि सिंधिया परिवार की महिला सदस्य श्रीमती बसुंधरा राजे मप्र छोड़ने के बाद दो बार राजस्थान की मुख्यमंत्री बनी. वे केंद्र में भी मंत्री रही और आज भी मुख्यमंत्री पद की अभिलाषा रखती हैं हालाँकि पार्टी ने उन्हें उपाध्यक्ष बनाकर चुप कर दिया है. मप्र में रह रही बसुंधरा राजे की छोटी बहन यशोधरा ने मप्र का मुख्यमंत्री बनने का सपना शायद दावा हो किंतु वो सकार कभी नहीं हुई. अब तो यशोधरा राजीनति से भी रुखस्त हो चुकी हैं. सिंधिया परिवार के किसी सदस्य को मप्र का मुख्यमंत्री न बनाने के और भी कारण हो सकते हैं. यदि कांग्रेस या भाजपा इस परिवार को मुख्यमंत्री बनाने का परमादेश देती तो शायद बाद और होती, लेकिन दोनों ही राजनीतिक दलों ने ये गलती नहीं की. हास्यास्पद बात ये है कि सिंधिया से इतर पटियाला वाले कैप्टन अमरेंद्र सिंह 84 वर्ष की उम्र में भी पंजाब के मुख्यमंत्री बनने का सपना भले बैठे हैं. हालाँकि भाजपा ने नें ठेगा दिखा दिया.

आधुनिक जीवनशैली के आघात से हृदय की रक्षा जरूरी

विश्व हृदय दिवस 29 सितंबर 2026

- ललित गर्ग

हृदय केवल शरीर का एक अंग नहीं, जीवन की धड़कन है। जब तक दिल धड़कता है, तब तक जीवन में उम्मीद, संवेदना, प्रेम और कर्म की संभावनाएं बना रहती हैं। लेकिन विडंबना यह है कि आधुनिक सभ्यता ने जीवन को सुविधाजनक तो बनाया है, पर स्वस्थ और सुलुलित बनाने में हम पीछे छूटते जा रहे हैं। हमारी तेज रफ्तार जिंदगी, तनाव, अनियमित दिनचर्या, खान-पान की बदलती आदतें, शारीरिक निष्क्रियता और डिजिटल बढ़ती मानसिक बेचैनी हृदय पर ऐसा दबाव डाल रही हैं, जिसका परिणाम हृदय रोगों के बढ़ते खतरे के रूप में सामने आ रहा है।

हर वर्ष 29 सितंबर को विश्व हृदय दिवस मनाया जाता है। विश्व हृदय महासंघ के अनुसार हृदय एवम् श्वेतवाहिका संबंधी रोग दुनिया में मृत्यु का सबसे बड़ा कारण हैं और प्रतिवर्ष लगभग दो करोड़ लोगों की मृत्यु इन रोगों से होती है। वर्ष 2026 के विश्व हृदय दिवस का संदेश है— 'हृदय रोग कई बार सामने दिखाई नहीं देता, इसलिए उसके संकेतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

मैंने अपने पूर्व के आलेख 'भारतीय दिल खतरे में' और हृदय स्वास्थ्य से जुड़े अन्य लेखों में बार-बार इस चिंता को व्यक्त किया है कि भारतीय समाज में बदलती जीवनशैली हमारे दिल के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है। आज यह चिंता और अधिक प्रासंगिक हो गई है। हमारे आसपास ऐसे अनेक युवा दिखाई देते हैं कि कम उम्र में ही उच्च रक्तचाप, मोटापा, मधुमेह, कोलेस्ट्रॉल और हृदय संबंधी

A collage of images representing a healthy lifestyle. It includes a couple jogging in a park, a woman meditating in a lotus position, a pair of hands holding a red heart with a white ECG line, a bowl of fresh fruit and a glass of water, and a 'no smoking' sign. The background is a soft-focus green landscape with a city skyline in the distance.

समस्याओं से रूजू रहें हैं। प्रश्न केवल यह नहीं कि हृदय रोग क्यों बढ़ रहे हैं, प्रश्न यह भी कि हमारे आजीवन जीवशैली को हृदय के विरुद्ध क्यों का हिमय है? आज सुविधा को हम को कम कर दिया है। घंटों बैठकर काम करना, मोबाइल और कंप्यूटर पर लगातार सक्रिय रहना, पैदल चलने की आदत का कम होना, रात रात तक जागना और सुबह की प्राकृतिक लय से दूर होना शरीर की जैविक व्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं। दूसरी ओर स्वयं और सुविधा के नाम पर अत्यधिक नमक, चीनी, वसा और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का सेवन बढ़ रहा है। विषय स्वास्थ्य संगठन भी अस्वास्थ्यकर आहार, शारीरिक निष्क्रियता, तंबाकू, मोटापा, उच्च रक्तचाप, बढ़ी हुई रक्तशर्करा और रक्त में वसा को हृदय रोग के प्रमुख जोखिम कारकों में गिनता है।

लेकिन हृदय का संकट केवल भोजन और व्यायाम का संकट नहीं है। यह मन का संकट भी है। तनाव,

नितस्पर्शा, असंतोष, क्रोध, ईर्ष्या, चिंता और औहर समय आगे निकलने के बेचैनी व्यक्तिके भीतर निरंतर मानसिक दबाव पैदा करती है। भौतिक उपलब्धियां बढ़ती जाती हैं, लेकिन मानसिक शांति घटती जाती है। हमने मकानों को बड़ा किया, लेकिन मकानों को छोटा कर लिया; साधन बढ़ाए,

यही आधुनिक जीवन
 है। इसलिए हेइय की
 पहली, जीवनशैली में भी
 नैसर्गमित्र व्यायाम, योग,
 तुलित भोजन और नये
 सामान्य लैकन अर्थतन्त्र
 बावजूत एवं पीछे
 पहल अनाज को स्थान
 जांच-पड़तियां विकसित हों जो प्रारंभिक अवस्था में
 हृदय संबंधी जोखिमों को पचान कर सकें। कुत्रिज
 बुद्धिमत, डिजिटल स्वास्थ, दूरस्थ चिकित्सा, पहनने
 योग्य स्वास्थ उपकरणों और आधुनिक निदान
 तकनीकों का उपयोग आम नागरिक तक पहुंचना
 चाहिए। चिकित्सा अनुसंधान का लक्ष्य केवल जटिल
 हृदय रोग का उपचार करना नहीं, बल्कि रोग पैदा होने
 से पहले उसके खतरे को पहचानना भी होना चाहिए।

नी और संतुष्ट वसा को हृदय स्वास्थ्य संगठन के बदलाव तथा उच्च वसा को कम करने के जोखिम को कम करने के लिए आवश्यकता है—एक बार अचानक सामने आया जोखिम जोखिम के लिए। स्कूलों और कॉलेजों में शारीरिक गतिविधि एवं पौष्टिक भोजन को प्रोत्साहित करने के लिए। शहरों में पैदल चलने और साइकिल चलाने के लिए सुरक्षित मार्ग बढ़ें।

अगर मेरे बहिष्कार के बाद भी 10% लोगों ने वोट डाल दिया, तो उसी पर परिणाम घोषित होगा और वही जनमत मान लिया जाएगा। इंदिरा जी फिर प्रधानमंत्री बन जाएंगी। इसलिए चुनाव लड़ना ही होगा। अंततः 1977 ने साबित किया कि जेपी सही थे।

1980 में असम आंदोलन उफान पर था। मांग थी घुसपैठियों को बाहर निकालो। 1983 में विधानसभा चुनाव आए। असम गण परिषद ने बहिष्कार किया। संगीनों के साए में फरवरी 1983 में चुनाव हुए। परिणाम, 73 लाख मतदाताओं में से 24 लाख ने भी वोट नहीं डाला। 1978 में 53% मतदान हुआ था, 1983 में सिर्फ 32.74%। इस 32.74% में से कांग्रेस का 52.53% मिला, यानी कुल मतदाताओं के 18% से भी कम वोट पर कांग्रेस सत्ता में आई और द्विदेश्वर सैकिया मुख्तमजी बने। हिसा में करीब 2000 लोग मारे गए। बाद में खुद राजीव गांधी ने माना कि यह विधानसभा जनभावना का प्रतिनिधित्व नहीं करती। 15 अगस्त 1985 को असम समझौते के बाद विधानसभा भंग कर मध्यावधि चुनाव हुए और प्रफुल्ल महंता मुख्तमजी बने। इतिहास गवाह है कि 1977 में चुनाव लड़ने का फैसला सही था और 1983 में बहिष्कार का फैसला गलत।

मुख्य चुनाव आयुक्त पर सवाल उठाना विपक्ष का अधिकार है, पर चुनाव से भागना लोकतंत्र से भागना है। चुनाव आयोग व्यक्ति नहीं, संस्था है। संस्था को दुरुस्त करने की लड़ाई चुनाव मैदान में ही लड़ी जाती है, मैदान छोड़कर नहीं।

बच्चों को मिले गलती सुधारने का अवसर

डॉ. कुमार आशीष

पिछले दिनों मुझे एक संरक्षण गृह में रह रहे उन बच्चों से नवादा करने का अवसर मिला, जो किसी न किसी कारण से कानून की जद में आए थे और फिलाहारल अपने सामान्य सामाजिक परिवेश से अलग रह रहे हैं। उन बच्चों को देखते हुए मेरे मन में एक सवाल उठा, जो केवल पुलिस व्यवस्था या किशोर न्याय तब सीमित नहीं है। जब ये बच्चे एक दिन इस संरक्षण गृह से बाहर निकलेंगे, तब हम उन्हें कैसा देखना चाहते हैं ? क्या हम चाहते हैं कि वे जीवन भर अपने अतीत और अपने गलतियों का बोझ ढोते रहें ? या हम चाहते हैं कि वे एक दिन आत्मविश्वास, कुशल, स्वावलंबी और जिम्मेदार नागरिक बनकर समाज में लौटें ? मेरे लिए इसका उत्तर स्पष्ट है-किसी बच्चे की एक गलती को उसकी पृष्ठधान का हिस्सा नहीं बनने दिया जा सकता। उसे अपनी गलती समझने, उससे सीखने और जीवन को नई दिशा देने का अवसर मिलना चाहिए। कानून की जद में आए बच्चों के प्रति हमारा दृष्टिकोण केवल दंडात्मक नहीं, बल्कि सुधारात्मक और पुनर्वासपरक होना चाहिए।

यही सोच तब महत्वपूर्ण हो जाता है, जब हम बच्चों में बढ़ते नशे के खतरों की बात करते हैं। नशे का सबसे दुष्परिणाम पैलू यही है कि वह अक्सर धूम्रपान बनकर नहीं, बल्कि दानकर जीवन में प्रवेश करता है। जब तक उसके दुष्परिणाम दिखाई देते हैं, तब तक वह शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवार, आर्थिक स्थिति और निर्णय लेने की क्षमता पर अक्सर डाल चुका होता है। कई मामलों में नशे पर निर्भरता व्यक्ति को चोरी, हिंसा, तस्करी या दूसरे अपराधों की ओर भी धकेल सकती है। इसलिए नशे के विरुद्ध लड़ाई केवल पुलिस या कानून की लड़ाई नहीं हो सकती। इसकी शुरुआत परिवार, विद्यालय और समुदाय से होनी चाहिए। बच्चों को केवल यह बताना पर्याप्त नहीं है कि 'नशा मत करो', बल्कि हमें उन्हें यह भी सिखाना होगा कि वे नशे के प्रस्ताव

को कैसे टुकएंगे, साथियों के दबाव से
 कैसे निपटें और संकट में मदद कैसे मांगें
 यदि कोई अहं बचना पहले से नशे की गिरफ्त
 में है तो उसके लिए सबसे जरूरी संदेश
 यह है कि उसका जीवन समाप्त नहीं हुआ
 है। उसे दुनिया से छिपने को नहीं, सहायता
 लेने को जरूरत है। कारावास में
 चिकित्सकीय सहायता, मनोवैज्ञानिक
 संसर्ग, परिवार का समर्थन और
 सरकारात्मक वातावरण किसी युवा को न
 की निर्भरता से बाहर निकलने में महत्वपूर्ण
 भूमिका निभा सकते हैं। संरक्षण गृह ए
 ऐसी जगह होनी चाहिए, जो बच्चे क
 संकट के कठिन अतीत से निकालकर ए
 बेहतर भविष्य तक पहुंचाए। इसके लि
 पुनर्वास की एक सुविचारित और
 बहुआयामी व्यवस्था आवश्यक है। इ
 व्यवस्था के केंद्र में शिक्षा होनी चाहिए
 जिससे बच्चे को पढ़ाई रुट गई है, उ
 यथासंभव पुनः शिक्षा से जोड़ना होगा
 कठिन बच्चों के लिए औपचारिक शिक्षा
 के लिए, उनके लिए व्यावसायिक ए
 तत्कालीन प्रशिक्षण के रास्ते खोलने होंगे
 कोशल केवल रोजगार का माध्यम नहीं है
 यह आत्मसम्मान और गरिमा का माध्य
 है। जब किसी युवा को यह विश्वास
 होता है कि वह अपने भ्रम और कोशल स
 सम्मानपूर्वक जीवन जी सकता है तो गल
 लोगों और गलत रास्तों पर उसकी निर्भर
 कम होती है। कई बार अपराध क्रिया
 सुनिश्चित योजना का परिणाम नहीं होता
 वह कुछ क्षणों के अनियंत्रित आवेग क
 परिणाम होता है। क्रोध आना स्वाभाविक
 है, लेकिन क्रोध में लिया गया निर्णय जीव
 बदल सकता है। इसलिए बच्चों को य
 सिखा जाना जरूरी है कि प्रतिक्रिया देने स
 पहले कुछ क्षण रुकें, परिस्थिति से थोड़ा
 दूरी बनाएं, गहरी सांस लें, किस्म
 विश्वसनीय व्यक्ति से बात करें और स्व
 से पूर्ण-धैर्य भोजी को करने का रहा हूँ, व्य
 बार मेरे भविष्य को बेहतर बनाएंगे ?' क
 वह जीवन बदलने के लिए केवल कु
 से संकेत रुक जाना ही पर्याप्त होता है।

आ जरूरी

रक्तशर्करा, कोलेस्ट्रॉल, वजन और तनाव का नियंत्रण करने के लिए, यहाँ एक सलाह के अनुसार अन्य जांचों को उस समय के अनुरूप नियमित रूप से करना है।
 1. रक्तशर्करा: रक्तशर्करा को नियंत्रित करने के लिए, रक्तशर्करा को नियमित रूप से जांचना है। रक्तशर्करा को नियंत्रित करने के लिए, रक्तशर्करा को नियमित रूप से जांचना है।
 2. कोलेस्ट्रॉल: कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने के लिए, कोलेस्ट्रॉल को नियमित रूप से जांचना है। कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने के लिए, कोलेस्ट्रॉल को नियमित रूप से जांचना है।
 3. वजन: वजन को नियंत्रित करने के लिए, वजन को नियमित रूप से जांचना है। वजन को नियंत्रित करने के लिए, वजन को नियमित रूप से जांचना है।
 4. तनाव: तनाव को नियंत्रित करने के लिए, तनाव को नियमित रूप से जांचना है। तनाव को नियंत्रित करने के लिए, तनाव को नियमित रूप से जांचना है।

पाटन में 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत ब्लॉक स्तरीय चित्रकला प्रदर्शनी और भाषण प्रतियोगिता संपन्न: सांसद विजय बघेल ने बच्चों के चित्रों में देखी 'विकसित भारत' की झलक

सदीप मिश्रा की खबर,, पाटन,, (जनता के गोट) विकासखण्ड मुख्यालय स्थित स्वामी आत्मानन्द उच्छृङ्खल अंग्रेजी माध्यम विद्यालय (सेजेस) प्रांगण में 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय विविध रचनात्मक प्रतियोगिताओं एवं प्रतिया समान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दि.ग. लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद विजय बघेल उपस्थित, भारत माता व छत्तीसगढ़ महतारी के सरयवती की वंदना, भारत माता व छत्तीसगढ़ महतारी के सत्यवती की तथ्या 'वंदे मातरम' के गाननपेठे उद्घोष के साथ हुई।

स्वागत एवं प्रस्तावना उद्घोषन: समारोह के प्रारंभ में विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी (BEO) पाटन डालेंद्र कुमार देवांगन ने अतिथियों का आत्मीय स्वागत करते हुए 'सेवा संकल्प अभियान' के उद्देश्यों और ब्लॉक स्तर पर आयोजित रचनात्मक गतिविधियों का प्रतिबंदन प्रस्तुत किया। और साथ ही शालावार चर्यान्त विद्याथियों को विकासखण्ड स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभागि बनने के लिए बधाई दी।

प्रतिभाओं को मिला मंच:
जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक ने कहा कि 'बच्चों के पीछर असीम प्रतिभाएं छुपी होती हैं, 'सेवा संकल्प अभियान' ने उन्हें अपनी कला प्रदर्शित करने का सशक्त मंच दिया है।
नगर पंचायत अध्यक्ष श्री निक्की भाले ने कहा कि 'इस अभियान से बच्चों में बौद्धिक विकास के साथ-साथ राष्ट्र सेवा का भाव और आत्मविश्वास मजबूत हुआ है।' उन्होंने आगे कहा कि जब बच्चे निजकला करते हैं तो उनके अंदर की रचनात्मकता झाड़ंग शीट में झलकती है
मोदी जी के 25 वर्षों का सेवा कालखंड विकासल भारत की मजबूत नींव: सांसद विजय बघेल
मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल ने अपने ओजस्वी उद्घोषण में कहा कि 'इस के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेकर



जनसेवा की शुरुआत की थी। 13 वर्षों तक गुजरात में के मुख्यमंत्री और पिछले 12 वर्षों से देश के प्रधानमंत्री के रूप में आज 25 वर्षों का सार्वजनिक जीवन अद्भुत, पारदर्शी और अविस्मरणीय है। उनके नेतृत्व में आज 'विकसित भारत' के निर्माण की संतुलित प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि अखंड भारत से अलग हुए पड़ोसी देशों—पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश में आज अशांति, अस्थिरता और आपसी कलह मची है। इसके विपरीत 140 करोड़ देशवासियों के आशीर्वाद और मोदी जी के नेतृत्व में भारत पूरी तरह अखंड, सुरक्षित और समर्थ खड़ा है। कच्चे की चित्रकला प्रदर्शनी की सरोहन करते हुए सांसद मोहोदय ने कहा

कि - नल्ले-मुले बच्चों ने रंगों के माध्यम से जो चित्र बनाए हैं, उनमें विकासित भारत का सपना जीवंतकरा हुआ है।
रूप से झलकता है।

सांसार का दिख्वा आत्मीय अंदाज़: व्यस्त कार्यक्रमों के कारण विलंब से पहुँचने पर सांसार श्री बघेल ने आशीर्वाद से क्षमा प्रकट की और बच्चों से सहज छतौसागढ़ी में संवाद करते हुए पूछा -
-लईका मन ला भूख लगे होही, पहिली ओमन ला भोजन करवा दो। खाँना खाए हो कि नही? - बच्चों के उत्साहपूर्वक 'हाँ' कहने पर उन्होंने संतोष जताया तथा सभी को बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

***मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के**
हस्ताक्षरयुक्त प्रशस्ति पत्र से बर्मानित हुए छात्र-
प्रशिक्षणिकता के समापन पर स्वीक स्तर पर उत्कृष्ट
प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को मंचासीली अतिथियों द्वारा छतौसागढ़ शासन के माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के हस्ताक्षरयुक्त समापन पत्र (प्रशस्ति पत्र) एवं पुरस्कार प्रदान करने सम्मान किया गया:

इस प्रतियोगिता से चयनित 20 बच्चे
चित्रकला प्रतियोगिता के और पांच बच्चे माध्म
प्रतियोगिता के जिला स्तरीय में विकासखंड का
प्रतिनिधित्व करेंगे।

अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति:
समारोह में सांसद विजय बघेल के साथ सर्वश्री
श्रीमती भाले (अध्यक्ष नगर पंचायत), श्रीमती कीर्ति
नायक (अध्यक्ष जनपद पंचायत), प्रणव शर्मा
(सभापति जनपद), श्रीमती निशा सोनी (उपअध्यक्ष
नगर पंचायत), देवेन्द्र ठाकुर (पाषाढ़ वार्ड 15),
श्रीमती नंदा बाबा वर्मा (पाषाढ़ वार्ड 4), बाबा वर्मा,
मिलन देवांगन (अध्यक्ष स्क्वैड सेजेस), श्रीमती रानी
वर्मा (मंडल अध्यक्ष), खेमलाल साहू (पूर्व मंडल
अध्यक्ष), केवल देवांगन (सभापति नगर पंचायत),
राजा पाठक (सांसद प्रतिनिधि), ज्ञानसिंह राजपुत
(उप संचालक दुर्ग), डालेंद्र कुमार देवांगन
(BEO पाटन), गुनेश्वर प्रसाद वर्मा (BRC
पाटन), श्रीमती रुक्मिणी जॉन्सन (प्राचार्य सेजेस)
मंचायती रहे।

खेल के मैदान से सफलता के सबक तक, डॉ.मनीषा त्रिपाठी के नेतृत्व में केंद्रीय विद्यालय और रविशंकर स्कूल रायगढ़ का यादगार टिवनिंग कार्यक्रम

रायपुर। शासकीय रविशंकर प्राथमिक शाला रायगढ़ में आज 28सितंबर 2026 को केंद्रीय विद्यालय के स्काउट - गाइड और शासकीय रविशंकर प्राथमिक शाला रायगढ़ के बच्चों का टिवनिंग स्कूल कार्यक्रम बहुत ही शानदार रहा। यह कार्यक्रम शिक्षाविद् केंद्रीय विद्यालय गीता सिंह (स्काउट - गाइड प्रभारी) और डॉ. मनीषा त्रिपाठी प्रधान पाठक शासकीय रविशंकर प्राथमिक शाला चांदमारी रायगढ़ के प्रभावी नेतृत्व में संपन्न हुआ। सर्व प्रथम सभी बच्चों, शिक्षकों का अत्यु्ी स्वागत कर परिचय प्राप्त किया गया। तत्पश्चात् स्काउट गाइड के विद्यार्थियों ने चांदमारी स्कूल के बच्चों को रोचक -मनोरंजक खेल गतिविधियां करवाईं यथा -बेलून फुलाना व पेड़ोना, खो-खो, फुटबॉल शतरंज, रस्सी -कूद आदि। दोनों शालाओं के बच्चों के बीच खेल व वातावरण निर्मित हो गया, जो कि उत्साह पूर्वक खेल में अपनी सहभागिता निभाए। इसके बाद



कार्यालय में इससे मिलिए-कार्यक्रम शिक्षाविद् गीता सिंह के लिए रखा गया था। आयोजित की गई। प्रेमलता चंदेल प्रधान कारक शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला चांदमारी रायगढ़ की उपस्थिति में शिक्षाविद् गीता सिंह का राज्यपाल पुष्कराम से सम्मानित प्रधान कारक डॉ. मनीषा त्रिपाठी ने किया गुच्छ, शाट-श्रीमन्त भैंडर स्वगत पुरुष। डॉ. मनीषा त्रिपाठी ने अपने स्वागत उद्घोषण पश्चात् शिक्षाविद् गीता सिंह को अपने जीवन-वृत्तांत हेतु आमंत्रित किया। उन्होंने अपने जीवन-कार्य में आने वाले संघर्षों के साथ अजीब-कामयाबी के बारे में



जानकारी दी तथा अपने मित्र डॉ.मनीषा त्रिपाठी के साथ विद्यार्थी जीवन व संघर्ष के बिताए हुए दिनों को याद किया।सभी बच्चों ने ध्यान पूर्वक उनकी बातों को सुना, कुछ बच्चों ने उनसे कामयाबी अर्जित करने हेतु प्रश्न भी पूछे जिसका सटीक जवाब बच्चों को दृष्टत देते हुए शिक्षाविद् गीता सिंह ने दिया, शाला की प्रधान पाठक डॉ.मनीषा त्रिपाठी द्वारा शाला व विद्यार्थियों के हित में किए जा रहे कार्यों को मुक्त कंठ से प्रशंसा की और भविष्य में इस प्रकार के रचनात्मक कार्यक्रम एक साथ करते रहने का आशासन दिया।कार्यक्रम के विद्यालय परिवार की उपस्थिति रही। बच्चों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई थी जिसका सभी ने आनंद लिया। संपूर्ण कार्यक्रम का उत्कृष्ट संचालन डॉ.मनीषा त्रिपाठी ने किया।

**साक्षरता मूल्यांकन महापरीक्षा में
जिले के 6984 शिक्षार्थी हुए शामिल**



बलरामपुर (जनता के गोठ) : उल्लस नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत आज आयोजित बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान मूल्यांकन परीक्षा (एफएलएपीएटी) में बलरामपुर-रामाजुंग जिले ने शत-प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की। उल्लस पोर्टल में पंजीकृत कुल 6984 शिक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए, जिनमें 4339 महिलाएँ और 2645 पुरुष शामिल रहे। कलेक्टर चंदन शर्मा विपटी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी आशुतोष चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में शिक्षा मंत्रालय तथा राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान की पहल पर राह यज्यवासी महापरिषदा प्रातः 10 से सायं 5 बजे तक आयोजित की गई। इसके लिए जिले में कुल 480 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जिनमें विकासखंड बलरामपुर में 81, कुस्मी में 82, राजपुर में 66, रामचंद्रपुर में 116, शंकरगढ़ में 75 तथा वाडमनार में 60 केंद्र शामिल रहे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने बस्तर में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का लिया जायजा



प्रभावित परिवारों से की
भेंटकर हरसंभव सहायता
प्रदान करने किया आश्वस्त

हरेक प्रभावित परिवार को शासन की सहायता के साथ मुख्यमंत्री राहत कोष से दस-दस हजार रुपए मदद देने की घोषणा



जाएगा। साथ ही अन्य बाढ़ प्रभावित परिवारों से भेंटकर उन्हें मदद देने में अग्रसर दिलाया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाढ़ प्रभावित लोगों तक आवश्यक राहत सामग्री समय पर पहुँचाई जाए और किसी भी परिवार को परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखना जाए। मुख्यमंत्री ने इन्द्रावती पुल पहुँचकर नदी के जलस्तर एवं आसपास के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का भी अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने विभागीय अधिकारियों से बस्तर जिले में बाढ़ की स्थिति, प्रभावित क्षेत्रों तथा राहत एवं बचाव कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को खाद्य सामग्री, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएँ और अन्य आवश्यक सुविधाएँ प्रभावित परिवारों तक प्रथमिकता के साथ पहुँचाने के निर्देश दिए। साथ ही प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी बनाए रखने तथा आवश्यकता के अनुसार राहत दत्तों को तत्काल सक्रिय करने के लिए कहा। विशेष तौर पर बाढ़ का पानी कम होने के बाद शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने और जल जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए सकारात्मक प्रयास किए

जाने के निर्देश दिए। वहीं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में संवेदनशीलता के साथ मकान, फसल, पशुधन क्षति का सर्वे कर आवश्यक किए जाने सहित संबंधित परिवारों को सहायता सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री सायन ने कहा कि विषम परिस्थितियों में शासन-प्रशासन प्रभावित परिवारों के साथ खड़ा है। बाढ़ प्रभावित लोगों की सुरक्षा और उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य करते हुए राहत कार्यों को भूपावीं ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य लगातार संचालित किए जा रहे हैं। प्रभावित परिवारों की आवश्यकताओं का आकलन और उन्हें भोजन, स्वास्थ्य सुविधा और अन्य जरूरी सहायता उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रशासन द्वारा स्थिति पर निरंतर नजर रखते हुए आवश्यकता के अनुसार त्वरित कार्यवाई सुनिश्चित की जा रही है।

**जगदलपुर में इंद्रावती नदी पहुंचे मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय
नए पुल पर खड़े होकर लिया बाढ़ के हालातों का जायजा**



जगदलपुर जनता के गोठा, 28 सितंबर 2026/ बस्तर संभाग में 23 से 26 सितम्बर तक हुई मूसलाधार बारिश के चलते इंद्रावती नदी भीषण बाढ़ आ गई है। भारी बारिश और जलस्तर में अप्रत्याशित वृद्धि से बने बाढ़ के हालात का प्रत्यक्ष मुआयना करने सोमवार को मुख्यमंत्री श्री गिण्णु देव साय स्वयं जगदलपुर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने इंद्रावती नदी पर बने नए



तथा बाढ़ के फैलाव को विस्तृत जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पिछले कई दशकों के रिकॉर्ड को पार करते हुए जल स्तर खतरे के निशान से काफी ऊपर पहुँच गया था, जिससे नदी के तटीय बस्तियों में पानी भर गया। मुख्यमंत्री ने स्थिति का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रभावितों तक राहत सामग्री, बचाव कार्य और स्वास्थ्य

सुविधाएं तत्काल पहुंचाई जाएं तथा जल स्तर
 की लगातार मॉनिटरिंग जारी रखी जाए। इस
 अवसर पर महापौर श्री संजय पाण्डे, कमिश्नर
 श्री डोमन सिंह, आईजी श्री बीएन मोणा,
 कलेक्टर श्री आकाश छिकारा, पुलिस
 अधीक्षक श्री शलभ सिन्हा और सहित स्थानीय
 जननतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी
 उपस्थित थे।

जगदलपुर, जनता के गोठ 28
सितंबर 2026 / मध्यमंत्री श्री
वेण्णुदेव सायन को सोमवार को
जगदलपुर नगर निगम क्षेत्र के
डोमोपार्ट पट्टुचकर बाढ़ प्रभावित
क्षेत्रों का जायजा लिया औषध
प्रभावित परिवारों से भेंटकर उन्हें
हरसंभव सहायता प्रदान करने
आश्वासन किया। वहीं हेरक प्रभावित
परिवार को शासन की सहायता का
सिद्धा ही मध्यमंत्री राहत कोष से
दस-दस हजार रुपए की मदद देने
की घोषणा की। उन्होंने बाढ़ से
ग्रस्त स्थिति, प्रभावित परिवारों को
उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं
तथा प्रशासन द्वारा संचालित राहत
कार्य की जानकारी दी। औषध
अधिकारियों को उक्त दिशा में तेजी
लाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बाद
प्रभावित सुनील पिता दशरथी और
कुशल पिता दशरथी से उनके
परिवारों से चर्चा करते हुए कह
शासन-प्रशासन की ओर से
हरसंभव सहायता उपलब्ध कराया

चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर तत्काल एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तार किया जाना चाहिए : भूपेश बघेल

मतदाता सूची एवं निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग को लेकर कांग्रेस का विरोध मार्च, कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर सौंपा ज्ञापन

कांग्रेस भवन से कलेक्टर
कार्यालय तक निकली विरोध
रैली, पटेल चौक पर पुलिस
बैरिकेडिंग के बीच
कार्यकर्ताओं और पुलिस के
बीच जमकर झुमाझटकी

अंचल वर्मा। दुर्ग, उतई
जनता के गोठ।

दुर्गा मतदाता सूची के विरोध
गहन पुनरीक्षण , वोट चोरी + वोट
आरोपों तथा निर्वाचन प्रक्रिया से
जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर आज
जिला कांग्रेस कमेटी दुर्गा
(ग्रामीण), दुर्ग शहर एवं भिला
नगर के संयुक्त तत्वावधान में
कांग्रेस भवन दुर्ग से कलेक्टर
कार्यालय तक विरोध मार्च निकाल
गया। विरोध मार्च के बाद कांग्रेस
नेताओं ने कलेक्टर एवं जिला
निर्वाचन अधिकारी, दुर्ग के साथ
एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर
मतदाता सूची, निर्वाचन प्रक्रिया एवं
संबंधित शिकायतों को निष्पक्ष जांच
की मांग की।

पूषेश बघेल प्रमुख रूप से शामिल हुए। इस दौरान जिला कांग्रेस कमिटी दुर्ग (ग्रामीण) अध्यक्ष राकेश ठाकुर, दुर्ग शहर कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल एवं भिलाई नगर कांग्रेस अध्यक्ष मुरेश चंद्रा, पूर्व विधायक अकेश ओरा, महाराष्ट्र निर्मल कोसरे, सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कांग्रेस भवन से शुरू हुआ विरोध मार्च विभिन्न मार्गों से होते हुए कलेक्टर कार्यालय की ओर बढ़ा। पैरल चौक के पास पुलिस द्वारा बैरिकेडिंग कर प्रदर्शनकारियों को रोकने का प्रयास किया गया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति बनी। कार्यकर्ता आगे बढ़ते हुए बिजली कार्यालय के सामने लगाए गए बड़े बैरिकेड तक पहुंचे, जहां भी पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प की स्थिति देखने को मिली।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश

कुमार के नाम पर प्रतीकात्मक
पुतले जलाकर विरोध दर्ज कराया
गया। इसके बाद प्रदर्शनकारी
कलेक्टर कार्यालय की ओर बढ़े
जहां पुलिस और कांग्रेस
कार्यकर्ताओं की झुमाझटकी देखने
को मिला।

कांग्रेस द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में मतदाता सूची के विशेष गहन-पुनरीक्षण तथा निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित शिकायतों की निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच की मांग की गई। ज्ञापन में विशेष रूप से इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए निर्वाचन आयोग की आंतरिक कार्यप्रणाली तथा मतदाता सूची से संबंधित शिकायतों की जांच की मांग रखी गई है।

ज्ञापन में कहा गया कि मतदाता सूची लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है और प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल होना तथा गलत तरीके से दर्ज नामों के संबंध में परादर्शी प्रक्रिया अपनाया जाना आवश्यक है। कांग्रेस ने मांग की कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने अथवा संशोधन से संबंधित प्रक्रियाओं की



नियमानुसार समीक्षा की जाए।
कांग्रेस ने यह भी मांग रखी

परीक्षण सुनिश्चित करने की मांग की जा रही। साथ ही राजनीतिक दलों के अधिकृत प्रतिनिधियों को नियमानुसार आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने की मांग भी रखी जा रही। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि मतदाता सूची और निर्वाचन प्रक्रिया लोकतांत्रिक व्यवस्था से सूची जुड़ी हुई है इसलिए मतदाता सूची से संबंधित किसी भी शिकायत का समाधान निर्धारित नियमों और पारदर्शी जांच प्रक्रिया के माध्यम से किया जाना चाहिए। उन्होंने मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने एवं संशोधन की



क्रिया, प्राप्त आपत्तियाँ तथा निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े रिकार्डों की निष्पक्ष समीक्षा की मांग की है। उन्होंने कहा कि नियम विरुद्ध तानाशाही रवैये से चुनाव आयोग में एक तरफ़ फैसला लेने और लोकतंत्र को अपना जागीरा समझने वाले चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के विरुद्ध नियमानुसार तत्काल एकज्यादाईआर दर्ज कर गिरफ्तार किया जाना चाहिए। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जापन में उठए गए सभी विषयों पर संबंधित निर्वाचन अधिकारियों द्वारा नियमों के अनुरूप जांच एवं आवश्यक

कार्वाड की अपेक्षा है। विरोध मार्च में जिला कांग्रेस समिति दुर्ग (ग्रामीण), दुर्ग शहर एवं भिलाई नगर के पदाधिकारी, ब्लॉक एवं मंडल अध्यक्ष, कांग्रेस कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद रहे। इस दौरान प्रभारी महामंत्री राजीव गुप्ता, रायसिंह डिकोला, कोषाध्यक्ष विक्रान्त अग्रवाल, संजय कोहले, एवं अर्वा, नासिर खोखर, महेंद्र वान, अशोक साहू, राजेश ठाकुर, रोहित कुंरे, शमशोरी कुंरैशी, सुनीत घोष, शिशाल बंजारे, पुकेश चंद्रकारा, विशाल देवसुख, रंजन राजपूत, कमलेश

साहू, उमेश साहू, संतोष बाफ्ना, श्रीकांत वर्मा, मनहरण यादव, मोहन साहू, शिवकुमार वर्मा, टीकेश्वरी देशमुख, लक्ष्मी साहू, योगिता चंद्राकर, जामवंत गजपाल, जयप्रकाश साहू, वीरेंद्र साहू, राजेश यादव, अलताफ अहमद, अनजय शर्मा, शुशील भारद्वाज, अजय कपूर ताम्रकर, प्रकाश ठाकुर, रजकांत खान, राम सूर्यशर्मा, सुमित नारांग, नगेच यादव, रोहित यादव, अभिषेक जांजोड़े, महेंद्र निषाद, राजेश मानिकपुरी, संगीता ठाकुर, गज्जू साहू, सुपुल साहू, मनीष बोसेल, विजेंद्र भारद्वाज, संतोष शर्मा, हिमांशु शर्मा, ईश्वर साहू, यशवंत दिल्लीबर, बैकुंठ महानंद, हरीश सिरना, वाहिद चौहान, ललित यादव, निशांत, सचिन पाटेल, विमल यूके, देव सिंह, गौरव उमरी, संदीप बोरा, शत्रुघ्न चक्रवर्ती, अंशु चतुर्वेदी, आयुष शर्मा, फिरोज खान, संतोष पाटेल, बृजमोहन तिवारी, हिमांशु शर्मा, कन्या दीमर, शकनी दीमर, मीणा मानिकपुरी, मीना साहू, मोहित वाल्ते, अमोल जैन पतिल बड़ी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद रहे ।

कवर्धा में कांग्रेस का हल्लाबोल, कलेक्ट्रेट के सामने पीएम मोदी का पुतला फूँका, प्रधानमंत्री का इस्तीफा और ज्ञानेश पर कारवाई की मांग

जब सैया भय, चुनाव आयोग तो डर काहे का – नवीन जायसवाल

SIR और चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग को लेकर कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन

हजारों कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर कार्यालय घेरा, प्रधानमंत्री के इस्तीफे और CEC ज्ञानेश कुमार पर कार्रवाई की मांग

कवर्धा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर जिला कांग्रेस कमेटी कबीरधाम के अध्यक्ष नवीन जायसवाल के नेतृत्व में सोमवार को हजारों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर कार्यालय के सामने जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र

सरकार और निर्वाचन आयोग के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए स्टूक सहित चुनावी प्रक्रिया से जुड़े निर्णयों पर सवाल उठाए तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस्तीफे और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की।

जिला कांग्रेस कमेटी कबीरधाम अध्यक्ष नवीन जायसवाल ने कहा कि आज देश की जनता के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि केंद्र और भाजपा शासित राज्य सरकारों को लगातार जनविरोधी और किसान, युवा एवं आम जनता से जुड़े फैसले लेने का आत्मविश्वास आखिर कहां से मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि जनता महंगाई से परेशान है, आवश्यक वस्तुओं की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, लेकिन सरकार जनता के आक्रोश और विरोध की अनदेखी कर रही है। विकास एवं

निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार के आरोपों पर भी सरकार को जवाब देना चाहिए। नवीन जायसवाल ने कहा कि कांग्रेस का आरोप है कि चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। उन्होंने कहा जब सैया भय चुनाव आयोग तो डर काहे का इसी सवाल का जवाब आज देश की जनता मांग रही है।

नवीन जायसवाल ने कहा कि हाल में सामने आई एक रिपोर्ट ने निर्वाचन आयोग के भीतर निर्णय प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। Indian E&press की 25 सितंबर 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में कम-से-कम 14 बार आयोग के कुछ निर्णयों पर औपचारिक आपत्ति दर्ज की। रिपोर्ट में नए मतदाताओं के पंजीकरण, मतदाता नामों को हटाने तथा मतदाता सूची से



जुड़े IT सिस्टम के केंद्रीकरण सहित कई मुद्दों का उल्लेख किया गया है। उन्होंने कहा कि यदि निर्वाचन आयोग जैसी संवैधानिक संस्था के भीतर

मनीष शर्मा ने कहा कि कांग्रेस और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लंबे समय से मतदाता सूची स्टूक और चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब निर्वाचन आयोग के दो आयुक्तों द्वारा दर्ज की गई आपत्तियों की रिपोर्ट सामने आने के बाद इन मुद्दों पर सार्वजनिक बहस और जांच की आवश्यकता और बढ़ गई है। रिपोर्ट में दोनों आयुक्तों द्वारा कुछ निर्णयों पर आपत्ति और उन्हें जानकारी से बाहर रखे जाने संबंधी चिंताओं का उल्लेख किया गया है। शहर अध्यक्ष अशोक सिंह ने कहा कि कांग्रेस की मांग है कि निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े सभी निर्णयों में पूर्ण पारदर्शिता, संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और मतदाताओं के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता का वोट सर्वोच्च है और मतदाता सूची से जुड़े किसी भी निर्णय पर संदेह की

स्थिति पैदा होती है तो उसका समाधान तथ्यों, पारदर्शिता और जवाबदेही के माध्यम से होना चाहिए। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र में सत्ता किसी व्यक्ति या दल की नहीं, बल्कि जनता के मत की होती है और जनता के मत की सुरक्षा हर संवैधानिक संस्था की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। आज के कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पूर्व जिला अध्यक्ष नीलकंठ चंद्रवंशी, हौरी राम साहू, महेश चंद्रवंशी, शहर ब्लॉक अध्यक्ष मणिकांत त्रिपाठी, ब्लॉक अध्यक्ष प्रभाती मरकाम, ब्लॉक अध्यक्ष छबिलाल वर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष चेतन वर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष शौकी साहू, ब्लॉक अध्यक्ष उत्तर दिवाकर महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष सीमा अनंत, शहर अध्यक्ष नारायणी तोंडर, सेवा दल अध्यक्ष पदुम सेन जिला महामंत्री गोपाल चंद्रवंशी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान: विश्व रैबीज दिवस पर पालतू पशुओं का निःशुल्क टीकाकरण, पशुपालकों को किया जागरूक



बलरामपुर (जनता के गोठ) : सेवा और सर्पण की भावना को केंद्र में रखकर संचालित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज विश्व रैबीज दिवस के अवसर पर जिले के विकासखंड स्तरीय पशु चिकित्सालयों में विशेष शिविर आयोजित किए गए। इनमें पालतू कुत्तों एवं बिल्लियों का निःशुल्क रैबीज टीकाकरण किया गया, साथ ही उन्हें कुमिनाशक दवा पिलाई गई और निःशुल्क स्वास्थ्य कार्ड भी बनाए

गए। शिविरों में पशुपालक अपने पालतू पशुओं के साथ पहुंचे। पशु चिकित्सकों ने उन्हें रैबीज जैसी घातक बीमारी से बचाव के उपायों की जानकारी देते हुए बताया कि समय पर टीकाकरण ही इससे सुरक्षा का सबसे प्रभावी माध्यम है। पशुपालकों को अपने पालतू पशुओं का नियमित टीकाकरण कराने, उनकी स्वच्छता एवं देखभाल पर ध्यान देने तथा किसी पशु के काटने की स्थिति में तत्काल उपचार कराने के लिए प्रेरित किया गया। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से जिला प्रशासन जनसेवा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। पशुधन के स्वास्थ्य की सुरक्षा के साथ-साथ मानव जीवन को रैबीज के खतरे से बचाने की दिशा में यह पहल एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हो रही है।

बरसी पर सेवा की मिसाल: बच्चों को बांटी कॉपी-कंपास, कराया न्योता भोज

स्व. सहायक शिक्षक रेवामर ध्रुव की बरसी पर धर्मपत्नी पीला बाई ने किया आयोजन, छात्राओं को कराया पूर्ण भोजन..



चेतन पुरेना, बलौदाबाजार। शासकीय अनुसूचित जाति कन्या आश्रम प्राथमिक शाला पलारी में स्वर्गीय श्री रेवामर ध्रुव, सहायक शिक्षक की बरसी के अवसर पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती पीला बाई ध्रुव और उसकी पुत्री टिकेश ध्रुव द्वारा न्योता भोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों के लिए शैक्षणिक सामग्री वितरण के साथ भोजन की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम के दौरान सर्वप्रथम विद्यालय के सभी बच्चों को कॉपी एवं कंपास बाँस वितरित किए गए। इसके पश्चात बच्चों को खीर, पूरी, चावल, दाल सहित पूर्ण भोजन कराया गया। बच्चों ने उत्साहपूर्वक भोजन ग्रहण किया। स्वर्गीय रेवामर ध्रुव की स्मृति में आयोजित इस

कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को आवश्यक शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराने के साथ ही उनके लिए भोजन की व्यवस्था की गई। विद्यालय परिवार की ओर से श्रीमती पीला बाई ध्रुव का आभार व्यक्त करते हुए इस आयोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया। शिक्षक दुर्गा जांगड़े सहित शाला परिवार ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के प्रति अपनत्व, सहयोग और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देते हैं।

सिसदेवरी में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन, आंगनबाड़ी केंद्रों की मरम्मत के लिए 2 लाख की स्वीकृति..

चेतन पुरेना बलौदाबाजार/परियोजना पलारी के सेक्टर कुसमी अंतर्गत ग्राम सिसदेवरी में आंगनबाड़ी केंद्रों में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन परियोजना अधिकारी श्रीमती नीरज सिंह ठाकुर के निर्देश एवं मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर की गई।

इस अवसर पर जनपद सदस्य श्री शनि चंद्राकर द्वारा छरुमद से ग्राम के तीन आंगनबाड़ी केंद्रों की मरम्मत के लिए कुल 2 लाख रुपए की स्वीकृति की जानकारी दी गई। इसमें आंगनबाड़ी क्रमांक-1 के लिए 1 लाख रुपए, क्रमांक-2 के लिए 50 हजार रुपए तथा क्रमांक-3 के लिए 50 हजार रुपए स्वीकृत किए गए हैं।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के लिए कुर्सी दौड़ एवं रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वहीं बच्चों के लिए न्योता भोज का आयोजन किया गया, जिसमें जनपद सदस्य शनि चंद्राकर ने बच्चों के साथ बैठकर भोज का आनंद लिया।

सुपोषित बच्चों की माताओं और



आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान सुपोषित बचपन अभियान के तहत सुपोषित हुए बच्चों की माताओं को जनपद सदस्य के हाथों प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही पंचायत क्षेत्र के तीनों आंगनबाड़ी केंद्रों की कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं का भी सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं महतारी वंदन योजना की हितग्राहियों ने अपने अनुभव साझा किए और योजनाओं से मिले लाभ की जानकारी दी।

‘हर घर मुनगा, घर-घर मुनगा’

कार्यक्रम के दौरान ‘हर घर मुनगा, घर-घर मुनगा’ अभियान के तहत मुनगा पौधे का रोपण भी किया गया। ग्रामीणों को पौधरोपण एवं इसके संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जनपद सदस्य शनि चंद्राकर, सरपंच श्रीमती कैलाश चंद्राकर, पर्यवेक्षक श्रीमती श्वेता महिलांगे, पूर्व सरपंच जगदीश चंद्राकर, पंच श्रीमती जानकी चंद्राकर, श्रीमती लक्ष्मी चंद्राकर, डांगेस चंद्राकर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं महिलाएं उपस्थित रहीं।



बलरामपुर (जनता के गोठ) : सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले की विभिन्न परियोजनाओं के आंगनबाड़ी केंद्रों में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों, महिलाओं एवं बच्चों की सक्रिय सहभागिता के बीच स्वस्थ शिशु प्रतियोगिता, गोदभराई, न्योता भोज, खिलौना दान और पोषण पर संवाद जैसी गतिविधियों से मातृ-शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण का संदेश दिया गया।

वाइफनगर परियोजना की ग्राम पंचायत बेलसर में मुख्य अतिथि विद्या पटवा की उपस्थिति में स्वस्थ शिशु प्रतियोगिता, “मेरी पोषण थाली” का प्रदर्शन, न्योता भोज और पौधारोपण हुआ। यहाँ हितग्राहियों से प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं महतारी वंदन योजना पर चर्चा कर उनके अनुभव जाने गए। इसी परियोजना के

सेक्टर बसंतपुर अंतर्गत जमई बसूलापाठ में महिलाओं की कुर्सी दौड़ कराई गई तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, मितानिन एवं स्व-सहायता समूह की दीर्घियों को शॉल-श्रीप्ल से सम्मानित किया गया। रामचंद्रपुर परियोजना के सेक्टर जामवंतपुर में गर्भवती महिलाओं की गोदभराई और बच्चों के लिए मनोरंजक खेल हुए, जबकि सेक्टर कुरलुडीह के चटकरम एवं मस्तमोंडा आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण माह मनाया गया। रघुनाथनगर परियोजना के सेक्टर बेतो अंतर्गत जौराही, कुसमी परियोजना के हरी तथा शंकरगढ़ परियोजना के मानपुर क्लस्टर में सरपंचों ने बच्चों को खिलौने भेंट किए और न्योता भोज कराया। बलरामपुर परियोजना के सेक्टर लूर्गीकला में भी आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया।

बाढ़ प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थान पर किया गया शिफ्ट

धमतरा। जिले में लगातार हो रही बारिश और जलभराव की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों की सतत निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में ग्राम पंचायत कोलियरी में जलभराव से प्रभावित 12 परिवारों को सुरक्षित रूप से बाढ़ आपदा भवन में शिफ्ट किया गया है। ग्राम पंचायत द्वारा प्रभावित परिवारों को आवश्यक सहयोग एवं मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जयंत नाहटा ने ग्राम पंचायत कोलियरी पहुंचकर बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने प्रभावित परिवारों से बातचीत कर उनकी आवश्यकताओं की जानकारी ली तथा अधिकारियों को राहत एवं आवश्यक सुविधाओं की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जलभराव की स्थिति में लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और आवश्यकता पड़ने पर प्रभावित लोगों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए।

सीईओ नाहटा ने क्षेत्र के खरंगा एवं रुद्री घाट का भी निरीक्षण कर जलस्तर एवं आसपास की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नदी-घाटों और जलभराव वाले क्षेत्रों में सतत निगरानी रखने, लोगों को सुरक्षित दूरी बनाए रखने के लिए जागरूक करने तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम पीयूष तिवारी एवं जनपद पंचायत सीईओ वर्षा रानी सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे नदी, नाले, घाट एवं जलभराव वाले क्षेत्रों में अनावश्यक रूप से न जाएं और प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करें। किसी भी आपात स्थिति में तत्काल स्थानीय प्रशासन अथवा जिला कंट्रोल रूम से संपर्क करें।

‘सेवा संकल्प अभियान’: महिला आयोग अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने अंबिकापुर में की गोदभराई, बच्चों के साथ बैठकर किया भोजन

अंबिकापुर। ‘आंगन मिलन सेवा’ के अंतर्गत चलाए जा रहे ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत अंबिकापुर के सेक्टर केदारपुर स्थित शिकारी रोड (वाई क्रमांक-21) के आंगनबाड़ी केंद्र में गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू शामिल हुईं। इस अवसर पर महिला आयोग अध्यक्ष ने समाज सेवा और स्वास्थ्य सगमता में निरंतर योगदान दे रही आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, मितानिनों तथा ‘महतारी वंदन योजना’ की हितग्राहियों को सम्मानित किया। इसके साथ ही उन्होंने गर्भवती बहनों की पारंपरिक रीति-रिवाज से गोदभराई की रस्म पूरी कर उन्हें स्वस्थ जीवन की शुभकामनाएं दीं।

बच्चों संग किया भोजन, लिया पोषण का जायजा कार्यक्रम के दौरान डॉ. ममता साहू ने आंगनबाड़ी केंद्र का बारीकी से



निरीक्षण किया। उन्होंने नन्हें-मुन्ने बच्चों के साथ बैठकर अत्यंत आत्मीय माहौल में भोजन किया और अधिकारियों से बच्चों के स्वास्थ्य, बचन तथा पोषण स्तर की जानकारी ली।

स्वावलंबन की मिसाल बर्नी ऊषा शर्मा समारोह के दौरान योजना की हितग्राही ऊषा शर्मा ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि महतारी वंदन योजना से मिली राशि से उन्होंने सिलाई मशीन खरीदी है। इससे उन्होंने घर पर ही सिलाई का कार्य शुरू किया, जिससे होने वाली आय से

वे अब अपने परिवार के खर्चों में आर्थिक सहयोग दे रही हैं। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने वाली इस पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रमुख जन-प्रतिनिधि व अधिकारी रहे उपस्थित कार्यक्रम में मुख्य रूप से निम्नलिखित जन-प्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे: – जन-प्रतिनिधि व अतिथि: महापौर श्रीमती मंजूषा अंबा, श्रीमती पुलेश्वरी पैकरा, सुभागी बीहड़,

भारवी वैष्णव। – विभागीय अधिकारी व कर्मचारी: सरगुजा संभाग प्रभारी (महिला आयोग) श्रीमती लक्ष्मी शुक्ला, जिला कार्यक्रम अधिकारी जे.आर. प्रधान, परियोजना अधिकारी गौरव सिंह गहवार, प्रोटेक्शन ऑफिसर श्रीमती सुलेखा कश्यप, सुपरवाइजर श्रीमती कुसुम जायसवाल। – केंद्र प्रतिनिधि: आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती अनिता तिवारी एवं सहायिका श्रीमती सविता रजक। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय माताएं और बच्चे उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

सेवा संकल्प अभियान के तहत संतोष-2 में न्योता भोज एवं पोषण पखवाड़ा



बकावंड जनता के गोठ। विकासखंड बकावंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत संतोष भाग-2 के पंचायत भवन में सेवा संकल्प अभियान के तहत न्योता भोज एवं पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम ग्राम पंचायत के सरपंच मंगलराम दुरा के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर आंगनबाड़ी बच्चों के लिए शाकाहारी सब्जी, पोषण आहार, मिठाई सहित विभिन्न व्यंजनों की व्यवस्था की गई। बच्चों ने उत्साह के साथ भोज में शामिल होकर सामूहिक रूप से भोजन किया। कार्यक्रम में ग्रामीणों के साथ बच्चे, शिक्षक-शिक्षिकाएं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका तथा पंचगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं बच्चों द्वारा गांव के वरिष्ठ नागरिकों तथा शिक्षकों को श्रीप्ल भेंट कर सम्मानित किया गया। उपस्थित लोगों ने बच्चों को पोष्टिक एवं संतुलित आहार के महत्व की जानकारी देते हुए नियमित रूप से पोषणयुक्त भोजन लेने के लिए प्रेरित किया। आयोजन का उद्देश्य बच्चों एवं ग्रामीणों में पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा स्वस्थ एवं संतुलित खान-पान को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

सचिव टूमन सोनी को हटाने की मांग को लेकर पहंदा (अ) पंचायत भवन में जड़ा ताला, जनपद कार्यालय में सौंपी चाबी



तरुण बख्शेर- जनता के गोठ पाटन। ग्राम पंचायत पहंदा (अ) में पंचायत सचिव टूमन सोनी का कार्यप्रणाली को लेकर विवाद गहरा गया है। सचिव के खिलाफ लगातार शिकायतों के बाद भी कोई कार्रवाई न होने से नाराज सरपंच इसरावती ठाकुर के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने पंचायत भवन में ताला जड़ दिया। इसके बाद उग्र ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों का समूह जनपद पंचायत पाटन पहुंचा, जहां अधिकारियों को पंचायत भवन की चाबी सौंपकर ज्ञापन दिया गया।

लापरवाही और आर्थिक अनियमितता के आरोप सरपंच इसरावती ठाकुर का आरोप है कि सचिव टूमन सोनी पंचायत कार्यालय में समय पर उपस्थित नहीं होते और मरामती तरीके से काम करते हैं। इसके अलावा उन पर वित्तीय अनियमितताओं के भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। सरपंच का कहना है कि सचिव की इस कार्यशैली के कारण पंचायत के विकास कार्य ठप पड़े हैं और ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं व सुविधाओं का लाभ लेने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व में जनपद और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों (CEO) को आवेदन देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई।

जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की प्रमुख मांगें: – तत्काल स्थानांतरण: पंचायत सचिव टूमन सोनी को ग्राम पंचायत पहंदा (अ) से तुरंत हटाया जाए। – निष्पक्ष जांच: सचिव पर लगे वित्तीय अनियमितता और लापरवाही के आरोपों की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। – दंडात्मक कार्रवाई: जांच में दोष सिद्ध होने पर संबंधित सचिव के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाए। – सुचारु संचालन: पंचायत के दैनिक कामकाज और ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए वैकल्पिक व्यवस्था बनाई जाए।

तालाबंदी और जनपद कार्यालय में चाबी सौंपे जाने के बाद अब दखला होगा जनपद और जिला पंचायत प्रशासन इस मामले में क्या रुख अपनाता है और ग्रामीणों की मांगों पर कब तक कार्रवाई होती है। (नोट: सचिव के विरुद्ध लगाए गए आरोप सरपंच एवं ग्रामीणों की शिकायत पर आधारित हैं, जिनकी आधिकारिक जांच होना बाकी है।)

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निमंत्रण पर राष्ट्रपति ने स्वीकार किया बस्तर दशहरा के मुरिया दरबार में शामिल होने का आमंत्रण

23 अक्टूबर को जगदलपुर में आयोजित होगा मुरिया दरबार

राष्ट्रपति की उपस्थिति से बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति और गौरवशाली परंपराओं को मिलेगा राष्ट्रीय सम्मान

रायपुर, 28 सितंबर 2026। छत्तीसगढ़ की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, लोक परंपराओं और गौरवशाली विरासत के प्रतीक बस्तर दशहरा के मुरिया दरबार में देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू शामिल होंगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निमंत्रण पर राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने 23 अक्टूबर 2026 को जगदलपुर में आयोजित होने वाले मुरिया दरबार में शामिल होने का आमंत्रण स्वीकार कर लिया है।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का निमंत्रण पत्र सौंपने के अवसर पर केन्द्रीय मंत्री श्री तोखन साहू,

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, बस्तर लोकसभा सांसद श्री महेश कश्यप तथा सामुदायिक सहभागिता विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति की उपस्थिति बस्तर की सांस्कृतिक विरासत के लिए गौरव का अवसर

मां दैतेश्वरी को समर्पित बस्तर दशहरा अपनी विशिष्ट जनजातीय परंपराओं, लोक आस्था और सामुदायिक सहभागिता के लिए देशभर में अपनी अलग पहचान रखता है। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने फरवरी 2026 में जगदलपुर में आयोजित बस्तर पंडुम के अवसर पर बस्तर दशहरा को जनजातीय संस्कृति और भाईचारे को अनूठा उदाहरण बताया था। उन्होंने बस्तर की प्राचीन परंपराओं और संस्कृति को संरक्षित करते हुए विकास के मार्ग पर आगे बढ़ने की आवश्यकता पर भी जोर दिया था।

ऐसे में बस्तर दशहरा के मुरिया दरबार में राष्ट्रपति की प्रस्तावित उपस्थिति बस्तर की सांस्कृतिक पहचान, जनजातीय परंपराओं और लोक विरासत के लिए विशेष गौरव का अवसर होगी।

दरबार के माध्यम से बस्तर की परंपराओं, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक प्रमुखों और स्थानीय समुदाय के बीच संवाद की परंपरा को आगे बढ़ाया जाता है।

बस्तर की संस्कृति और सामाजिक जीवन में मांझी एवं चालकी जैसे पारंपरिक पदों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने जुलाई 2026 में बस्तर के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान भी मांझी और चालकी की सामाजिक जीवन तथा सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख किया था।

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि बस्तर दशहरा छत्तीसगढ़ की ऐसी गौरवशाली सांस्कृतिक परंपरा है, जिसकी पहचान केवल छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि देश और दुनिया में है। मुरिया दरबार में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू की उपस्थिति बस्तर की

बस्तर की संस्कृति से राष्ट्रपति का विशेष जुड़ाव

महाहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का बस्तर की संस्कृति और जनजातीय विरासत से विशेष जुड़ाव रहा है। फरवरी 2026 में उन्होंने जगदलपुर में बस्तर पंडुम का उद्घाटन किया था। अपने संबोधन में उन्होंने बस्तर की प्राचीन संस्कृति, प्राकृतिक सुंदरता, जलप्रपातों और गुफाओं को पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया था। उन्होंने यह भी कहा था कि बस्तर की समृद्ध विरासत को संरक्षित करते हुए आधुनिक विकास को आगे बढ़ाना आवश्यक है। जुलाई 2026 में बस्तर के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान भी राष्ट्रपति ने बस्तर की सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित एवं संबंधित करने और जनजातीय समुदायों को विकास यात्रा में सहभागिता को महत्वपूर्ण बताया था।

25 वर्ष की अर्हकारी सेवा पूर्ण करने पर कर्मचारियों को मिले पूर्ण पेंशन का लाभ पूना पैक्ट पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित: प्रतिभागियों ने समझा इतिहास, उत्कृष्ट वक्ताओं को मिला सम्मान

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव को सौंपा मांग-पत्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने शासकीय कर्मचारियों को 25 वर्ष की अर्हकारी सेवा पूर्ण करने पर पूर्ण पेंशन का लाभ प्रदान करने की मांग की है। इस संबंध में फेडरेशन द्वारा माननीय मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव को मांग-पत्र प्रेषित कर पेंशन नियमों में आवश्यक संशोधन किए जाने का अनुरोध किया गया है।

फेडरेशन के प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में बड़ी संख्या में कर्मचारी लगभग 25 से 30 वर्ष की आयु में निवृत्ति शासकीय सेवा में प्रवेश करते हैं। ऐसी स्थिति में लंबी अवधि तक शासकीय सेवा करने के बावजूद पूर्ण पेंशन के लिए अधिक अवधि की सेवा की अनिवार्यता होने से कर्मचारियों के पेंशन लाभ पर प्रभाव पड़ता है।

फेडरेशन ने केन्द्र सरकार की पेंशन व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां 20 वर्ष की अर्हकारी सेवा को पेंशन लाभ की गणना में महत्वपूर्ण आधार माना गया है। फेडरेशन का कहना है कि इसी दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ में भी 25 वर्ष की अर्हकारी सेवा पूर्ण करने वाले कर्मचारियों को पूर्ण पेंशन का लाभ देने पर विचार किया जाना चाहिए।

केन्द्र एवं राज्य की पेंशन व्यवस्था में यथासंभव समानता की मांग

फेडरेशन ने कहा कि शासकीय कर्मचारियों की सेवा शर्तों एवं सामाजिक सुरक्षा से जुड़े विषयों में केन्द्र एवं राज्य की व्यवस्था में यथासंभव समानता होना आवश्यक है। सेवानिवृत्ति के बाद सम्मानजनक जीवन एवं आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पेंशन व्यवस्था में आवश्यक सुधार किया जाना कर्मचारी हित में महत्वपूर्ण कदम होगा।

फेडरेशन ने स्पष्ट किया कि यह मांग किसी अतिरिक्त अथवा अनुचित लाभ के उद्देश्य से नहीं, बल्कि दीर्घकालीन शासकीय सेवा करने वाले कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा तथा सेवानिवृत्ति के बाद आर्थिक स्थिरता को ध्यान में रखते हुए की जा रही है।

फेडरेशन की प्रमुख मांगें

फेडरेशन ने मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव से मांग की है कि- 25 वर्ष की अर्हकारी सेवा पूर्ण करने वाले शासकीय कर्मचारियों को पूर्ण पेंशन का लाभ प्रदान करने के लिए छत्तीसगढ़ पेंशन नियमों में आवश्यक संशोधन किया जाए। इस संबंध में वित्त विभाग एवं सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों की समिति गठित कर केन्द्र सरकार के संबंधित प्रावधानों का अध्ययन कराया जाए। वर्तमान एवं भविष्य के शासकीय कर्मचारियों को इसका लाभ प्रदान करने के लिए आवश्यक शासनादेश/नियम जारी किए जाएं।

तरुण बन्धोर- जनता के गोठ रायपुर। भारतीय बौद्ध महासभा युवा प्रकोष्ठ (रायपुर) एवं भारतीय बौद्ध महासभा शाखा (रोटरी नगर) के संयुक्त तत्वावधान में 'पूना पैक्ट' विषय पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में रायपुर के विभिन्न क्षेत्रों से आए बच्चों, महिलाओं, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

बाबा साहेब के विचारों और पूना पैक्ट के महत्व पर मंथन

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने पूना पैक्ट के ऐतिहासिक संदर्भ, उसकी प्रासंगिकता और समाज पर पड़े प्रभाव पर अपने-अपने विचार व्यक्त किए। इसके साथ ही प्रतिभागियों ने सविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के जीवन संघर्ष और विचारों से मिली सीख को साझा किया।

प्रतिभागियों और अतिथियों का सम्मान



पूना पैक्ट विषय पर उत्कृष्ट दौरेन समाज के वरिष्ठ नागरिकों द्वारा शॉल भेंट कर जनों का अभिनंदन किया गया।

नई पीढ़ी तक इतिहास पहुंचाने की पहल

कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठजनों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों और युवाओं को अपने वास्तविक

भारतीय बौद्ध महासभा छत्तीसगढ़), बेनीराम गायकवाड़ (प्रदेश महासचिव), संजय गजघाटे, अंजू मेश्राम, बिम्बिसार नागार्जुन, करमन खटकर (प्रदेश उपाध्यक्ष), विजय गजघाटे (जिला अध्यक्ष), प्रफुल्ल मेश्राम (जिला अध्यक्ष, युवा प्रकोष्ठ)।

- अन्य गणमान्य सदस्य: अरुण बागडे, अभिषेक डोंगरे, कुपाल गौरे, मुकेश डोंगरे, आरजू रामटेके, सिद्धार्थ गढ़वाल, निखिल बोरकर, अमित देशभ्रतार, सयोग सोनटके, कुपाल डोंगरे, रोहित गौरे, सागर बडोले, हितेश गायकवाड़, विनोद भीमटे, विजय चौहान, राहुल जनबन्धु, सचिन गर्जभिए, अक्षय ड्हाट, सुशीला भीमटे, संघमित्रा गौरखेड़े, अरणा राव, स्वाती सोनटके, बरखा रामटेके, प्रणाली सोनटके, दिशा मडामें, खुशबू डोंगरे, वैजयंती सेलारे, रेखा सूर्यवंशी एवं विनोद कुमार कोशल्ले सहित बौद्ध समाज के अनेक लोग उपस्थित रहे।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कांग्रेस का बड़ा प्रदर्शन: रायपुर में पुतला दहन कर घेरा, बैरिकेड्स तोड़े



रायपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के इशारे पर मतदाता सूची में गड़बड़ी, वोट चोरी और एसआईआर (SIR) की त्रुटिपूर्ण प्रक्रिया का आरोप लगाते हुए छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ राजधानी रायपुर में विशाल विरोध प्रदर्शन किया। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखदेव भगत और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के नेतृत्व में राजीव गांधी चौक से लेकर नगर घड़ी चौक तक हजारों कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन की प्रमुख बातें:

- पुतला दहन और नारेबाजी: राजीव गांधी चौक पर जमा हुए हजारों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और तीनों के पुतले जलाए।
- काले गुब्बारे उड़ाकर विरोध: प्रदेश प्रभारी सुखदेव भगत, प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज और नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने काले गुब्बारे उड़ाकर अपना विरोध दर्ज करवाया।
- बैरिकेड्स तोड़कर आगे बढ़े कार्यकर्ता: जनसभा को संबोधित करने के बाद दिग्गज नेताओं और कार्यकर्ताओं ने नगर घड़ी चौक की ओर पैदल मार्च किया। इस दौरान उग्र कार्यकर्ताओं ने पुलिस बैरिकेड्स को धकेल कर तोड़ दिया और बैरियर्स पर चढ़कर नारेबाजी की।

विश्व शांति दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ ने किया प्रबुद्ध हस्तियों का सम्मान; दिया सद्भाव और शांति का संदेश

तरुण बन्धोर- जनता के गोठ रायपुर (छत्तीसगढ़)। विश्व शांति दिवस के अवसर पर दुनिया भर के 142 देशों के साथ-साथ छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में भी हर्षोल्लास के साथ शांति और सद्भाव का पैगाम दिया गया। इस पावन अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा एक विशेष गरिमायु समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पत्रकारिता, मीडिया प्रबंधन और समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रमुख शिष्यियों का सम्मान किया गया।



वरिष्ठ नेताओं के कड़े बोल: - प्रदेश प्रभारी सुखदेव भगत: उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर 'भाजपा के एजेंट' के रूप में काम करने का सीधा आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश में चुनावी लोकतंत्र को कमजोर किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने केरल के पूर्व मुख्य सचिव द्वारा ज्ञानेश कुमार पर लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग भी उठाई। - प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज: उन्होंने कार्यकर्ताओं से हर स्तर पर लड़ाई लड़ने का आह्वान किया। बैज ने कहा कि परिसीमन और एसआईआर के जरिए लोकतंत्र से खिलवाड़ हो रहा है और इस मामले में सुप्रीम कोर्ट को स्वतः संज्ञान लेते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त को बर्खास्त करना चाहिए।

प्रमुख दिग्गज और जन-प्रतिनिधि रहे मौजूद: इस विशाल प्रदर्शन में कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एस.ए. संपत कुमार, जरिता लेलफलांग, विजय जागिड़, पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव, सांसद फूलोदेवी नेताम, पूर्व मंत्री मोहन मरकाम, सत्यनारायण शर्मा, धनेन्द्र साहू, डॉ. शिव डहरिया, डॉ. प्रेमसाय सिंह, उमेश पटेल, प्रभारी महामंत्री मलकती सिंह गैहड़, प्रदेश संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला, मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर, सुरेंद्र वर्मा, अजय साहू, वरिष्ठ प्रवक्ता नितिन भंसाली सहित प्रदेशभर से आए हजारों पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए।

- शताब्दी पांडे: भाजपा प्रदेश प्रवक्ता

- धैरवी वैष्णव: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस)

- नीलम सिंह: भाजपा कार्यकारिणी सदस्य कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ब्रह्माकुमारी संस्थान की वरिष्ठ बहनों ने कहा कि वर्तमान समय में विश्व को शांति,

धार्तृत्व और आत्मिक सद्भाव की सर्वाधिक आवश्यकता है। मीडिया और सामाजिक विचार धाराएँ समाज को दिशा देने का मुख्य स्तंभ हैं। यदि इस माध्यम से सकारात्मकता और समरसता का प्रसार हो, तो एक सशक्त और शांतिप्रिय समाज का निर्माण संभव है। सम्मानित अतिथियों ने संस्थान का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा फैलाया जा रहा शांति और आध्यात्मिक चेतना का संदेश अनुकरणीय है। उन्होंने संकल्प लिया कि वे अपनी-अपनी जिम्मेदारियों के माध्यम से समाज में शांति, सद्भाव और राष्ट्र कल्याण के लिए निरंतर कार्य करती रहेंगी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रबुद्ध नागरिक, मीडियाकर्मी और संस्थान के साधक उपस्थित रहे।

जूनियर डाक्टरों की मांगों पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल से सकारात्मक चर्चा; मानदेय और बॉन्ड राशि पर मिला आश्वासन

रायपुर। जूनियर डॉक्टरों एसोसिएशन (छत्तीसगढ़) के प्रतिनिधिमंडल ने राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल से मुलाकात कर अपने वेतन, अनुबंधित सेवा अवधि और बॉन्ड राशि में कटौती समेत विभिन्न लंबित मांगों पर विस्तृत चर्चा की। स्वास्थ्य मंत्री से मिले सकारात्मक आश्वासन के बाद प्रतिनिधिमंडल ने चर्चा पर संतोष व्यक्त किया है।

प्रतिनिधिमंडल ने रखी ये प्रमुख मांगें:

- मानदेय में वृद्धि: अनुबंधित पीजी (PG) चिकित्सा अधिकारियों का वेतन अंतिम वर्ष के पीजी विद्यार्थियों को मिलने वाले स्टाइपेंड से अधिक निर्धारित किया जाए।
- बॉन्ड राशि में कटौती: एमबीबीएस (MBBS) पाठ्यक्रम के लिए वर्तमान में लागू अनुबंध (बॉन्ड) राशि को कम किया जाए।
- सेवा अवधि में राहत: अनिवार्य अनुबंधित सेवा की अवधि को 2 वर्ष से घटाकर 1 वर्ष किया जाए।
- सरल NOC प्रक्रिया: उच्च (Super-Speciality) में प्रवेश के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) की प्रक्रिया को सुगम और पारदर्शी बनाया जाए।
- विशिष्ट कैडर: सुपर-

प्रवक्ता

- धैरवी वैष्णव: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस)

- नीलम सिंह: भाजपा कार्यकारिणी सदस्य कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ब्रह्माकुमारी संस्थान की वरिष्ठ बहनों ने कहा कि वर्तमान समय में विश्व को शांति,



स्पेशियलिटी विशेषज्ञों के लिए एक अलग कैडर का गठन किया जाए।

स्वास्थ्य मंत्री का आश्वासन और संदेश

मंत्री ने कहा: चिकित्सा सेवा मानवता की सबसे बड़ी सेवाओं में से एक है। आप सभी निष्ठा और लगन से अध्ययन कर एक उत्कृष्ट चिकित्सक बनें और प्रदेश की जनता की सेवा करें। मरीजों का सही समय पर इलाज और उनकी देखभाल हमारी सबसे पहली जिम्मेदारी है। सरकार चिकित्सकों और चिकित्सा क्षेत्र के विद्यार्थियों के हितों के प्रति पूरी तरह मांगों पर शासन स्तर पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा। नियमानुसार जो भी मांगें उचित पाई जाएंगी, उन पर ली और उम्मीद जताई कि जल्द ही जाएगा। चिकित्सकों का सकारात्मक समाधान निकाला जाएगा।